राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 24 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–89 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस राजस्थान में अपनाएगी बीजेपी का गुजरात चुनाव मॉडल? सीएम अशोक गहलोत ने दिए ये संकेत

पिछले गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में बीजेपी ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में भाजपा ने 156 सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस भी राजस्थान में ऐसा कर सकती है।

जयपुर। साल के आखिर में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी और कांग्रेस समेत तमाम दलों ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी हैं। एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी(बीजेपी) राजस्थान में सत्ता वापसी की जद्दोजहद में लगी हुई है वहीं कांग्रेस भी सरकार दोहराने की तैयारियों में लगी हुई है। ऐसे में दोनों ही पार्टियों ने अपनी-अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी हैं। राजस्थान की राजनीति की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि गहलोत इन दिनों फ्रंटफुट पर खेल रहे हैं। विशेषज्ञों का यहां तक मानना है कि राजस्थान चुनाव के लिए कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत को फ्रीहैंड दे रखा है यानि कि राजस्थान विधानसभा चुनाव से संबंधित फैसलों को लेने के लिए गहलोत को स्वतंत्रता दी गई है। ऐसे में यह भी माना जा रहा है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बीजेपी के गुजरात चुनावी मॉडल को अपना सकती है। बता दें कि गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काट दिया था। इसके बाद जो नतीजे आए वो चौंकाने वाले थे। पिछले साल हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल करते हुए इतिहास रच दिया था।

क्या था बीजेपी का गुजरात चुनाव मॉडल–पिछले गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों में बीजेपी ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में भाजपा ने 156 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस दौरान भाजपा ने गुजरात में अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काट दिया था। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा ही मॉडल राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार अपनाना चाह रही है। ऐसी संभावना है कि राजस्थान में भी कई वर्तमान विधायकों का टिकट काटा जा सकता है।

कई विधायकों के टिकट कटने के संकेत–साल के आखिर यानि कि दिसंबर में राजस्थान में विधानसभा चुनाव कराने की संभावना बन रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि गहलोत अपने कई विधायकों का टिकट काट सकते हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गहलोत ने पिछले दिनों एक सर्वे करवाया था। इस सर्वे में कुछ विधायकों को अच्छे नंबर नहीं मिले थे। ऐसे में गहलोत ने अपने विधायकों को इशारों-इशारों में यह संकेत दे दिया है कि राजस्थान की जनता कुछ विधायकों के कामकाज से संतुष्ट नहीं है। ऐसे में उन विधायकों का टिकट काटा जा सकता है। बदा दें कि इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान के विधायकों का सर्वे करवाया था। सर्वे में कुछ विधायकों का फीडबैक अच्छा नहीं आया था। बता दें कि इसी तरह बीजेपी ने गुजरात के विधानसभा चुनावों में किया था। भाजपा ने अपने कई वर्तमान विधायकों का टिकट काट दिया था। चुनाव परिणाम आने के बाद आंकड़ों ने सबको चौंका दिया था। अपने 27 सालों का वर्चस्व कायम रखते हुए भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में बीजेपी को 156 सीटों पर जीत मिली थी।

60-70 विधायकों का कट सकता है टिकट–राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर सीएम गहलोत बड़ा धमाका करने वाले हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राजस्थान विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के 30-35 फीसदी विधायकों का टिकट कट सकता है। ऐसा माना जा रहा है कि विधायकों का टिकट कटने का आंकड़ा 60 से 70 तक भी पहुंच सकता है। इस दौरान यह कयास भी लगाए जा रहे हैं।

सचिन पायलट पर साधी चुप्पी

राजस्थान की राजनीति के जानकारों का मानना है कि कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान चुनाव में गहलोत को काफी हद तक निर्णय लेने की आजादी दी हुई है। इस दौरान यह भी देखा जा सकता है कि पायलट के मुद्दे पर गहलोत ने चुप्पी साधी हुई है। उनकी इस चुप्पी के मायने निकाले जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहै कि गहलोत चुनाव में पायलट ग्रुप के विधायकों का टिकट काट सकते है। ऐसे कयास इसलिए भी लगाए जा रहे हैं क्योंकि वो राजस्थान में अपना प्रभाव कायम कर पायलट का प्रभाव कम करना चाहते हैं।

एक प्रिंसिपल जो बन गई यूपी की मोस्ट वॉन्टेड महिला क्रिमिनल, अतीक की पत्नी से भी ज्यादा इनाम

नोएडा। उत्तर प्रदेश पुलिस को इस समय गैंगस्टर अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता प्रवीण की तलाश है। 50 हजार की इनामी शाइस्ता की तलाश यूपी समेत देश के कई राज्यों में चल रही है। लेकिन आज हम आपको एक अन्य फरार अपराधी के बारे में बताने जा रहे हैं जो कभी एक कॉलेज की प्रिंसिपल थी और आज उस पर 5 लाख रुपए का इनाम है। दीप्ति बहल उत्तर प्रदेश की मोस्ट वॉन्डेट महिला क्रिमिनल है और कई एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी हैं। लोनी में रहने वाली दीप्ति बाइक बोट घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल है। वह अरबों के इस घोटाले के मास्टरमाइंड कहे जाने वाले संजय भाटी की पत्नी है। भाटी ने बाइक टैक्सी वेंचर के बहाने से बड़े पैमाने पर ठगी की। जांच एजेंसियों घोटाले को लेकर अलग-अलग अनुमान लगाती हैं। केस की जांच कर रही मेरठ आर्थिक अपराध शाखा का अनुमान है कि यह घोटाला 4,500 करोड़ रुपए का हो सकता है। देशभर में इस पर 250 केस दर्ज हैं। 2019 में पहला केस दर्ज होने के बाद से ही दीप्ति फरार है। 2020 में उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था जो अब बढ़कर 5 लाख तक पहुंच चुका है। संभावना यह भी जताई जाती है कि वह देश छोड़कर भाग चुकी है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया भी चल रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि शादी से पहले वह बागपत के एक कॉलेज में टीचर थी। बरौत कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बागपत ने दीप्ति को अपने वेबसाइट पर प्रिंसिपल बताया है। उसके पास एमए और पीएचडी की डिग्री है। कॉलेज चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त है। बाइक बोट घोटाले में ग्रेटर नोएडा में दर्ज 118 केस और देशभर में दर्ज अन्य 150 केसों में दीप्ति का नाम है।

चार धाम यात्रा 2023 पर मौसम पर सामने आया बड़ा अपडेट

गंगोत्री, बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा में बारिश पर रहें अलर्ट

देहरादून। उत्तराखंड चार धाम 2023 यात्रा रूट पर मौसम पर बड़ा अपडेट आया है। चार धाम यात्रा रूट पर बारिश का पूर्वानुमान है। खराब मौसम की वजह से बारिश के बाद भूस्खलन से हाईवे बंद हो सकता है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर, यूपी, एमपी सहित देश के कई राज्यों से आने वाले तीर्थ यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यात्रा के दौरान अलर्ट रहें। विदित हो कि गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के कपाट 22 अप्रैल को खुल गए हैं। जबकि, केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुलेंगे। बदरीनाथ धाम में 27 अप्रैल से तीर्थ यात्री दर्शन कर सकेंगे। मौसम विभाग क पूर्वानुमान की बात करें तो उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में 26 अप्रैल तक बारिश का मौसम रहेगा। चारधाम में हल्की बारिश की संभावना है। 24 और 25 अप्रैल को बर्फबारी के भी आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 23 अप्रैल को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। वहीं 24 और 25 अप्रैल को इन पांच जिलों में गर्जन के साथ बारिश में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। दोनों दिन 3500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की भी

संभावना है। हालांकि मौसम विभाग ने किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया है। चारधाम यात्रा की बात करें तो रविवार को जोशीमठ, बदरीनाथ, हेमकुंड साबिब में हल्की बारिश के आसार हैं। वहीं केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी बारिश हो सकती है।

डीटीसी की अंतरराज्यीय प्रीमियम सेवा 1600 बसों संग होगी शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अंतरराज्यीय प्रीमियम बस सेवा 1600 बसों के साथ शुरू करेगी। ये बसें पांच राज्य उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, हरियाणा व पंजाब के लिए अलग-अलग रूट पर चलेंगी। योजना को लेकर डीटीसी बोर्ड ने पहले ही मंजूरी दे दी है। सूत्रों की मानें तो शुक्रवार को इस योजना को लेकर परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने अधिकारियों के साथ बैठक भी की है। अंतरराज्यीय प्रीमियम बस सेवा में इलेक्ट्रिक बसों को भी शामिल करने की योजना है। डीटीसी निजी बस संचालकों को निविदा के जरिए इसका चयन करेगी। बसों का परिचालन दिल्ली से 200 से लेकर 300 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गंतव्य स्थलों तक किया जाएगा। यह बसें पांच राज्यों के जिन रूट पर चलेंगी उनमें कुल 203 गंतव्य स्थल होंगे, जहां से यात्रियों को आवाजाही करना आसान होगा। इसमें 200 किलोमीटर के दायरे वाले रूट पर कुल 113 जबकि उससे अधिक लंबे रूट पर 90 गंतव्य स्थल चिह्नित किए गए हैं। दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के

मुताबिक, 200 किलोमीटर के दायरे में पड़ने वाले गंतव्य स्थलों तक हमारी कोशिश होगी कि इलेक्ट्रिक बसें चलें। उससे आगे के लिए सीएनजी व डीजल बसों का भी परिचालन किया जा सकता है, लेकिन बसों का बीएस-6 श्रेणी का होना अनिवार्य होगा। सरकार जिन प्रमुख गंतव्य स्थलों को फोकस किया है उसमें हरिद्वार, आगरा, मथुरा, मेरठ, चंडीगढ़, लुधियाना, जयपुर समेत अन्य स्थल होंगे।

मुफ्त सफर नहीं

अंतरराज्यीय प्रीमियम बस सेवा भले ही डीटीसी परमिट के तहत चलेंगी, लेकिन उसमें महिलाओं के लिए मुफ्त सफर की सुविधा नहीं होगी। प्रीमियम बसों का किराया कितना होगा यह भी अभी तक तय नहीं है। अभी सरकार इसके परिचालन मॉडल पर काम कर रही है।

यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

प्रीमियम श्रेणी में उतारी जाने वाली सभी बसों में यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सुरक्षा के मद्देनजर अन्य सुविधाएं होंगी, जैसे-जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम), पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरा के अलावा अन्य अत्याधुनिक उपकरण होंगे। इसमें यात्री चाहे तो सीधे बसों की निगरानी के लिए बनाए जा रहे नियंत्रण कक्ष से जुड़ सकेंगे।

मप्र के रतलाम में ट्रेन की दो बोगियों में लगी आग, यात्री सुरक्षित

रतलाम। रतलाम से इंदौर जा रही भीलवाड़ा-अंबेडकरनगर डेमू ट्रेन की दो बोगियों में रविवार सुबह आग लग गई। यह ट्रेन यहां से 6:30 बजे रवाना हुई थी। प्रीतम नगर रेलवे स्टेशन के पास धुआं उठता देख यात्री चौकन्ना हुए। फौरन गाड़ी को रोका गया। यात्री फटाफट अपना सामान लेकर ट्रेन से उतरे और दूर जाकर खड़े हो गये। वरिष्ठ रेल अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। रेलवे प्रशासन ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। करीब एक घंटे बाद 7:50 बजे फायर ब्रिगेड कर्मचारी पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। बताया गया है कि दोनों बोगी पूरी तरह जल गई हैं। अभी आग लगने के कारणों के बारे में पता नहीं चला है। फिलहाल जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

गांव की समृद्धि के लिए प्रधानमंत्री करेंगे समावेशी विकास का शुभारंभ : गिरिराज सिंह

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गांव, गरीब और किसानों को पंचायती राज के माध्यम से समृद्धि के उद्देश्य से जागरूक करने के लिए समय देते हैं. इस वर्ष 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत गांव की समृद्धि के लिए समावेशी विकास का शुभारंभ करेंगे. गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को मध्य प्रदेश के रीवा से अमृत महोत्सव-समावेशी विकास के तहत नौ अभियानों का शुभारम्भ करने के साथ ही ÷आजादी का अमृत महोत्सव-समावेशी विकास÷ पर समर्पित वेबसाइट और मोबाइल ऐप का भी शुभारंभ करेंगे. आजादी का अमृत महोत्सव-समावेशी विकास अभियान के तहत स्वामित्व-मेरी संपत्ति, मेरा हक विषय का लक्ष्य अगस्त 2023 तक स्वामित्व योजना के तहत डेढ़ करोड़ अधिकारों का रिकॉर्ड-संपत्ति कार्ड बनाना है. समावेशी विकास के तहत नौ अभियानों का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ आजादी का अमृत महोत्सव की थीम ÷विकास की ओर देखें कदम÷ में पांच मंत्रालयों को शामिल किया गया है. ग्रामीण विकास मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और पशुपालन और डेयरी मंत्रालय का उद्देश्य जन-केंद्रित योजनाओं की संतृप्ति में लोगों की भागीदारी का उत्सव मनाना है. समावेशी विकास के लिए नौ विषयों में समग्र आवास पीएमएवाई (ग्रामीण) के तहत अभिसरण, जिला स्तर पर वित्तीय साक्षरता, ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना, स्वस्थ महिला समृद्धि समाज, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं के साथ प्राकृतिक खेती, आकांक्षी जिलों में पशुधन जागृति अभियान, पात्र ग्रामीण महिलाओं का सामाजिक संघटन एसएचजी नेटवर्क तथा नदी के किनारे पौधारोपण अभियान को शामिल किया गया है.

स्वामित्व- मेरी संपत्ति मेरा हक अभियान को भी प्रधानमंत्री द्वारा शुभारंभ किए जाने वाले समावेशी विकास थीम में शामिल किया गया है. ग्रामीण क्षेत्रों में गांवों का सर्वेक्षण और सुधार प्रौद्योगिकी के साथ मानचित्रण अभियान स्वामित्व का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों के मालिकों को अधिकारों के रिकॉर्ड-संपत्ति कार्ड प्रदान करना है. इसमें संपत्तियों के मुद्रीकरण को सुगम बनाना और बैंक ऋणों को सक्षम बनाना संपत्ति संबंधी विवादों को कम करना व्यापक ग्राम स्तरीय योजना शामिल हैं. यह पंचायतों के सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल को और बढ़ाएगा, वे आत्मनिर्भर बनेंगे. 31 मार्च 2023 तक दो लाख 39 हजार गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण का काम पूरा हो चुका है. राज्यों और सर्वे ऑफ इंडिया के बीच समन्वय के साथ करीब 74 हजार गांवों के लिए एक करोड़ 24 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड तैयार कर ली गई है.

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार, लेकर जा रही डिब्रूगढ़ जेल

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने 35 दिनों तक लगातार पीछा करने के बाद रविवार को खालिस्तानी कट्टरपंथी और %वारिस पंजाब दे% के प्रमुख अमृतपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। खालिस्तानी नेता अमृतपाल को मोगा जिले के रोडे गांव के गुरुद्वारे से गिरफ्तार किया गया। रोडे खालिस्तानी नेता जरनैल सिंह भिंडरावाले का पैतृक गांव है। पंजाब पुलिस उसे अमृतसर लेकर जा रही है, जहां से उसे असम के डिब्रूगढ़ जेल शिफ्ट कर दिया जाएगा। इसी जेल में अमृतपाल के कुछ सहयोगी बंद हैं।

गिरफ्तारी से पहले अमृतपाल सिंह ने सरेंडर का नाटक रचने की कोशिश की। हालांकि, पंजाब पुलिस ने कहा है कि यह गिरफ्तारी है। यह पंजाब पुलिस का ऑपरेशन था।

आपको बता दें कि अमृतपाल सिंह करीब एक महीने से पुलिस को चकमा दे रहा था। वह इस दौरान भेष बदलकर खुद को पुलिस की नजरों से बचा रहा था। पुलिस ने उसे भगोड़ा घोषित किया था।

एक महीने से पुलिस को छका रहा था अमृतपाल

कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह पुलिस को करीब एक महीना से चकमा दे रह रहा था। वह केवल सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा था। कई प्रदेशों में सर्च अभियान के बावजूद वह पकड़ में नहीं आ सका था। पुलिस ने 18 मार्च को अमृतपाल सिंह और उसके संगठन %वारिस पंजाब दे% के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की थी। अमृतपाल और उसके सहयोगियों पर विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्य फैलाने, हत्या के प्रयास, पुलिस कर्मियों पर हमले और लोक सेवकों के काम में बाधा डालने से संबंधित कई आपराधिक मामलों में प्रकरण दर्ज किया गया है।

अमृतपाल पर क्यों हो रही कार्रवाई?

अमृतपाल सिंह सबसे पहले 23 फरवरी को चर्चा में आया था। उसने अजनाला में अपने करीबी को छुड़ाने के लिए हजारों समर्थकों के साथ अजनाला थाने पर हमला बोल दिया था। इस हमले में 6 पुलिसकर्मी जख्मी हुए थे। इसके बाद उसने कई टीवी चैनलों में दिए इंटरव्यू में अलग खालिस्तान की मांग की थी। अमृतपाल की तुलना खालिस्तानी आतंकी भिंडरावाले से भी की जा रही है।

एयरपोर्ट पर पत्नी को भी रोका गया

हाल ही में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप कौर को ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया था। पुलिस और खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों ने अमृतसर के श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूछताछ के बाद उन्हें अमृतपाल के गांव जल्लूपुर खेड़ा भेज दिया। शादी के बाद वह पहली बार लंदन जा रही थीं। किरणदीप कौर को 1:30 बजे निर्धारित एयर इंडिया की उड़ान से बर्मिंघम जाना था। चूंकि उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी था, इसलिए आव्रजन अधिकारियों ने उन्हें यात्रा करने की अनुमति नहीं दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

राजनीतिक निहितार्थ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत के सत्र न्यायालय से कोई राहत न मिलना जहां आश्चर्य की बात नहीं, वहीं कांग्रेस के लिए चिंता की बात है। कांग्रेस को मानहानि के ऐसे बड़े मामले में उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय से ही उम्मीद रखनी चाहिए। बहरहाल, सत्र न्यायालय ने राहत देने की राहुल गांधी की अपील को खारिज कर दिया है, तो इसके विधि संबंधी निहितार्थ कम और राजनीतिक निहितार्थ ज्यादा निकाले जा रहे हैं। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीति तेज रहेगी। यह मामला अब कांग्रेस की एक दुखती रग बन गया है, क्योंकि उसके नेता की न केवल लोकसभा सदस्यता गई है, साथ ही, वह आगामी चुनाव भी नहीं लड़ पाएंगे। कांग्रेस हर मुमकिन कोशिश करेगी कि राहुल गांधी को इस मामले से बरी किया जाए, लेकिन क्या कांग्रेस इस मुकदमे को पूरी मुस्तैदी से लड़ने के लिए तैयार है? क्या कांग्रेस इसे अपराध से जुड़ा मामला मानने के बजाय राजनीति से जुड़ा विवाद बना पाएगी? जो सियासी लड़ाई चुनावी मैदान से शुरू हुई थी, क्या उसका अंजाम भी सियासत में ही खोजा जाएगा? इस मामले के ईदगिर्द ऐसे कई सियासी सवाल हैं, जो चर्चा में बने रहेंगे। तय है, आपराधिक मानहानि के इस मामले के प्रति कांग्रेस की गंभीरता दिनोंदिन बढ़ती जाएगी। कांग्रेस नेता ने निचली अदालत के 23 मार्च के आदेश पर रोक लगाने और उसके निलंबन की मांग रखी थी। राहत की थोड़ी सी उम्मीद तो थी, क्योंकि 3 अप्रैल को सत्र न्यायालय ने राहुल गांधी को जमानत दे दी थी, लेकिन गुरुवार को सत्र न्यायालय का रुख कड़ा नजर आया। अदालत ने फिर इशारा कर दिया कि नेताओं को संभलकर बोलना चाहिए। अगर आज अदालत राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा देती या निलंबित कर देती, तो कांग्रेस नेता की लोकसभा सदस्यता को बहाल किया जा सकता था। साल 2019 का यह मानहानि मामला पूरी कांग्रेस को परेशान करने वाला है, भाजपा इस मसले पर सियासी बढ़त लेने में कतई पीछे नहीं रहेगी। अतः बेहतर यही है कि राहुल गांधी इस विवाद से बाहर आएं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बिल्कुल सही कहा है कि पार्टी कानून के तहत उपलब्ध तमाम विकल्पों पर गौर करेगी। साथ ही, यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि कांग्रेस के पास अनेक कुशल वकीलों की फौज है और उनकी परीक्षा का समय आ गया है। इस मामले में शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी की भी अपनी दलील है कि राहुल गांधी बार-बार ऐसे अपराध करते हैं और उन्होंने 'मोदी चोर' संबंधी अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगने से भी इनकार कर दिया है। यह बात सही है, निचली अदालत में ही अगर कांग्रेस नेता माफी मांग लेते, तो उनकी सदस्यता पर आंच नहीं आती और न उन पर चुनाव न लड़ पाने का खतरा मंडराता। यहां उनके अनेक राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को यह भी लगता है कि राहुल जान-बूझकर सियासी फायदे के लिए माफी मांगने से बच रहे हैं और खुद को दोषी के बजाय पीड़ित बताने की कोशिश कर रहे हैं। राजनीति में पीड़ित दिखने या होने के अपने फायदे हैं, लेकिन क्या इसके व्यापक नुकसान से कांग्रेस पार्टी बच पाएगी? अगर यह सजा दिग्गज कांग्रेस नेता के नाम के साथ चिपक गई, तो फिर उन्हें हमेशा परेशानी होगी। ध्यान रहे, आरोप के दाग मिट जाते हैं, लेकिन सजा के दाग आसानी से नहीं छूटते हैं। अतः इस लड़ाई को अदालत में समय रहते लड़कर जीत लेना बेहतर है, लेकिन तब तक सियासत को खुली छूट है।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

सूडान संकट से घिरे भारतीयों की फिक्र

पुष्परंजन

कन्नड में हक्की का अर्थ होता है, 'पक्षी'। 'पिक्की' का मतलब है, 'पकड़ना'। हक्की-पिक्की जनजाति के लोग पशु-पक्षियों को पकड़ने, जड़ी-बूटियों, मसालों को बेचने के कामों में लगे रहते हैं। ये खुद को महाराणा प्रताप के वंशज मानते हैं। वे कहते हैं, 'जब मुग़लों का सितम हुआ, तो हमारे पूर्वज दक्षिण की तरफ़ कूच कर गये।' 23 अन्य उपनामों के अलावा 'बागरी' भी बोलते हैं स्वयं को, जो राजस्थान, हरियाणा, पंजाब में राजपूत-जाटों से जुड़ी घुमक्कड़ प्रजाति है। पुडुचेरी और दक्षिण के चार सूबों में इनकी संख्या 29 हज़ार है। हक्की-पिक्की सबसे अधिक कर्नाटक में बसे, वहां उनकी आबादी 14 हज़ार के आसपास है। योशुवा प्रोजेक्ट वाले बताते हैं कि विदेश में हक्की-पिक्की की संख्या 30 हज़ार के क़रीब है। ये सूडान जड़ी-बूटियों व मसाले के कारोबार की वजह से जाने जाते रहे हैं। चूंकि कर्नाटक में चुनाव है, तो हक्की-पिक्की की चिंता ज्यादा हो चली है। गुजरात में चुनाव होता, तो शायद सूडान के गृहयुद्ध में फंसे गुजरातियों की चिंता अधिक होती। लवचंद अमरचंद शाह पहले गुजराती थे, जो 1860 में व्यापार करने सूडान आये, और यहीं के होकर रह गये। उनकी देखा-देखी सबसे अधिक गुजराती ही इस उत्तर-पूर्वी अफ्रीक़ी देश में आये। लाल सागर के तट पर बसे सूडान के इर्दगिर्द मिस्र, इरीट्रिया, इथियोपिया, दक्षिणी सूडान, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, चाड और लिबिया जैसे सात देश हैं। भारतीय मूल के कोई चार हज़ार लोग इस मुल्क़ में आबोदाना-आशियाना की वजह से हैं। सूडान में इस समय गृहयुद्ध जैसी स्थिति है। सूडान पर राज कर रहे उमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के बाद 2021 में अंतरिम सरकार अस्तित्व में आई थी। तब सार्वभौम परिषद बनी, सेना व पैरामिल्ट्री फोर्स के लोग सत्ता चलाने लगे। आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के लीडर जनरल मोहम्मद हमदान डगलो उपराष्ट्रपति बन गए। दिसंबर, 2022 के बाद से 'आरएसएफ' सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण के प्रयास में है। 'आरएसएफ' का गठन 2013 में हुआ था। विश्लेषक, कुख्यात विद्रोही संगठन 'जंजावीद' को 'आरएसएफ' की बुनियाद मानते हैं। सेना के समानांतर 'आरएसएफ' जैसे मजबूत सुरक्षा बल का होना, सूडान की अस्थिरता की वजह माना जाता रहा है। सेना प्रमुख जनरल बुरहान ने कहा है कि सेना किसी निर्वाचित सरकार को ही सत्ता का पूर्ण हस्तांतरण करेगी। दोनों पक्षों में घमासान जारी है। बुधवार शाम तक 300 से अधिक लोगों के मारे जाने की ख़बर है। सूडान में शांति कब आएगी, कहना कठिन है। मगर, कर्नाटक के 31 हक्की-पिक्की आदिवासियों का फंस जाना कन्नाडिगा अस्मिता और उनकी सुरक्षा का सवाल बन गया है। ये सभी हक्की-पिक्की जनजाति के लोग सूडानी शहर अल-फशेर में आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी बेचने के लिए गए थे। इनमें से 19 लोग कर्नाटक के हुनसूर, 7 शिवामोगा, और 5 लोग चन्नागिरी के रहने वाले हैं। इन 31 वनवासियों में महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है। प्रकाश से भी तेज़ गति से चल रही सूचनाओं के इस कालखंड में देश के विदेशमंत्री यह बयान दे रहे हैं कि सुरक्षा कारणों से हम उनके लोकेशंस नहीं बता सकते। इससे उलट, विभिन्न संचार माध्यमों के ज़रिये वहां फंसे भारतीय खुद अपना ठिकाना भेजकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। सूडान में फंसे भारतीयों में से एक, एस. प्रभु ने मंगलवार को दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेज़ी अखबार के पत्रकार से फोन पर बात की थी। उसने बताया था कि हम पिछले 4-5 दिनों से किराए के मकान में फंसे हुए हैं। हमारे पास खाना ख़त्म हो चुका, पीने के लिए पानी तक नहीं है। यों, भारतीय दूतावास किस तरह की मदद कर रहा है, इसकी जानकारी लेने का हक़ सभी देशवासियों को है। खार्तुम स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को ट्वीट के ज़रिये एडवाइज़री जारी की, कि जो इंडियन जहां हैं, अपने घरों के अंदर ही रहें। जो राशन-पानी है, कुछ दिन उसी से काम चलायें। पड़ोसियों की मदद लें। भारतीय दूतावास ने एक कंट्रोल रूम बना रखा है, उससे नई दिल्ली को समय-समय पर अपडेट किया जा रहा है। लेकिन क्या, यह सब काफ़ी है? न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट है कि पचास लाख की आबादी वाला खार्तुम भोजन-पानी व बिजली के बग़ैर बेहाल है। यूएन की संस्थाओं ने चारेक दिन पहले राशन पहुंचाने से हाथ खड़े कर दिये थे। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर, कन्नाडिगा नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता सिद्धारमैया पर भड़के हुए हैं। उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'सूडान में फंसे भारतीयों की स्थिति पर राजनीति करना बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना है। मुझे नहीं लगता कि आपको इस तरह के बयान देकर किसी तरह का राजनीतिक फायदा होगा।' इस पर सिद्धारमैया ने कहा- 'आप विदेश मंत्री हैं, इसलिए मैंने आपसे मदद की अपील की। अगर आप मेरे बयानों पर स्तब्ध होने में ही व्यस्त हैं, तो मुझे बता दीजिए कि देश को लोगों को वापस लाने में हमारी मदद कौन कर सकता है?' कर्नाटक चुनाव तक यह ट्वीट वार चलेगा। लेकिन सूडान में दूतावास व डिप्लोमेट भी सुरक्षित नहीं हैं, यही ज़मीनी सच है। आयरलैंड के डिप्लोमेट आयदान ओहारा खार्तुम में यूरोपीय संघ के दूत के रूप में तैनात हैं, उनके घर विद्रोही घुस आये, और बदतमीज़ी की। ईयू के राजदूत से गन प्वाइंट पर पैसा और सामान जितना समेटना था समेटा, और चलते बने। मगर, क्या हमारा दूतावास उतना ही सतर्क है, जितना कि अमेरिकी दूतावास वाले? आप स्वयं दार्फुर में अमेरिकी दूतावास द्वारा जारी चेतावनियों से तुलना कर लीजिए। 5 अक्तूबर, 2022 को अमेरिकन इंबैसी ने 'लेबल फोर अलर्ट' जारी कर साफ कर दिया था कि हमारे नागरिक सूडान की यात्रा नहीं करें। अमेरिकी दूतावास की वेबसाइट पर 15 से 18 अप्रैल, 2023 के बीच चार अलर्ट हैं। संकटग्रस्त सूडान में भारतीय समुदाय के लोग निशाने पर नहीं हैं, तो उसका कारण वो इतिहास है, जिसे वहां के लोकतंत्रकामी अब भी स्मरण करते हैं। 1900 से भारत-सूडान के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं। 1935 में महात्मा गांधी बरास्ते ब्रिटेन, पोर्ट सूडान उतरे थे। 1938 में पंडित नेहरू लंदन जाते समय पोर्ट सूडान उतर कर छोटेलाल सामजी विरानी के घर गये। उनकी मुलाक़ात 'सूडान ग्रेजुएट कांग्रेस' के लोगों से हुई, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से काफी प्रभावित थे। 1955 में बांगडूंग में पहला एफ्रो-एशियाई सम्मेलन हुआ, तब सूडान ब्रिटेन से आज़ाद नहीं हुआ था। उस सम्मेलन में समस्या ध्वज की थी। नेहरू ने अपना रूमाल निकाला, उस पर सूडान लिखा, और टेबल पर लहरा दिया। 1 जनवरी, 1956 को सूडान आज़ाद हुआ। सूडानी चुनाव आयोग की संरचना से लेकर पंचवर्षीय योजनाओं तक में भारत ने मदद की।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के

बदलाव के सवालों से जुड़े किंतु-परंतु

स्कूली पाठ्यक्रम/ उमेश चतुर्वेदी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी ने 12वीं कक्षा की इतिहास, नागरिक शास्त्र और हिन्दी के पाठ्यक्रम में मौजूदा सत्र से कुछ बदलाव किए हैं। जिस पर राजनीतिक विवाद खड़ा नहीं होता तो ही आश्चर्य होता। सबसे ज्यादा सवाल इतिहास की पुस्तक से मुगल साम्राज्य से जुड़े पाठ को हटाने पर उठाए जा रहे हैं। जाहिर है, कांग्रेस समेत गैर भाजपा दलों ने इस बदलाव को लेकर सवाल खड़े किये हैं। एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक कृष्ण कुमार ने भी इस मामले पर सवाल उठाए हैं। कृष्णकुमार ने कहा है, 'पुस्तकों से अध्यायों को हटाकर बच्चों के पढ़ने और समझने के अधिकार को छीना जा रहा है। सीबीएसई ने जिन अध्यायों को हटाया है उनमें अंतर्विरोध है। आप संघवाद के अध्याय को हटाकर संविधान बच्चों को पढ़ाएं—ये कैसे होगा? आप सामाजिक आंदोलन के अध्याय को हटाएं और इतिहास पढ़ाएं- ये कैसे होगा? इतिहास सामाजिक आंदोलनों से ही तो जन्म लेता है। ये कटौती बच्चों में रटने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी।' यहां याद करना चाहिए कि वाजपेयी सरकार के बाद आई मनमोहन सरकार ने आनन-फानन में वाजपेयी सरकार के दौरान किए गए बदलावों को हटाने की तैयारी की तो उसकी जिम्मेदारी कृष्णकुमार को ही दी गई थी। तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह श्री कुमार को ही एनसीईआरटी का निदेशक बनाकर लाए थे। तब शिक्षा विभाग के सचिव के रूप में उन्होंने अपने सबसे भरोसेमंद सुदीप घोष को तैनात किया है। सुदीप घोष जाने-माने कवि भी थे। कहा जाता है कि घोष और कृष्ण कुमार की टीम ने मिलकर वाजपेयी सरकार द्वारा लाए गए बदलावों को उलट दिया। तब योगेंद्र यादव भी एक समिति से सदस्य बनाए गए थे। दरअसल, बदले गए पाठ्यक्रम के अनुसार भारतीय इतिहास की थीम्स के दूसरे हिस्से से 16वीं और 17वीं सदी के मुगल दरबार और उस दौर के शासकों के साथ ही उनसे जुड़े इतिहास से संबंधित अध्यायों को हटा दिया गया है। इसी तरह नागरिक शास्त्र की किताब से 'यूएस हेजेमनी इन वर्ल्ड पॉलिटिक्स' और 'द कोल्ड वॉर एरा' जैसे पाठ हटाए गए हैं। इसी तरह स्वतंत्र भारत में राजनीति नामक किताब से 'जन आंदोलन का उदय' और 'एक दल के प्रभुत्व का दौर' हटा दिया गया है। इन अध्यायों में कांग्रेस के वर्चस्व की प्रकृति, समाजवादी, कम्युनिस्ट पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, भारतीय जनसंघ आदि को पढ़ाया जाता है। एनसीईआरटी ने हिन्दी विषय में भी बदलाव किए हैं। इसके तहत हिन्दी आरोह भाग-2 की किताब से फिराक गोरखपुरी की ग़ज़ल और अंतरा भाग दो नामक पुस्तक से सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का गीत गाने दो मुझे को हटा दिया है। इसके अलावा विष्णु खरे की रचना एक काम और सत्य को भी हटाया गया है। एनसीईआरटी ने सिर्फ बारहवीं कक्षा की ही पुस्तकों में बदलाव नहीं किया है, बल्कि 10वीं और 11वीं कक्षा की किताबों से भी कई पाठ हटाए हैं। 11वीं की किताब 'थीम्स इन वर्ल्ड हिस्ट्री' से 'सेंट्रल इस्लामिक लैंड्स', 'संस्कृतियों का टकराव' और 'द इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन' जैसे पाठ हटाए गए हैं। इसी तरह 10वीं की किताब लोकतांत्रिक राजनीति-2 से लोकतंत्र और विविधता, लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन, लोकतंत्र की चुनौतियां जैसे पाठ भी हटाए गए हैं। पाठों के हटाने को लेकर जब विवाद बढ़ने लगा तो एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी को सामने आना पड़ा। सकलानी ने कहा कि कोविड महामारी के बाद पिछले साल हर विषय के लिए परिषद ने विशेषज्ञ समिति बनाई थी। इस समिति ने सुझाव दिया कि पाठ्यक्रमों का बोझ घटाया जाना चाहिए। इसी समिति की रिपोर्ट पर पाठ हटाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि साल 1998 में जब केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई वाली केंद्र सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री मुरली मनोहर जोशी की पहल पर पाठ्यक्रम में एनसीईआरटी ने बदलाव करने की कोशिश की थी। तब जोशी की पहल पर पाठ्यक्रम में वैदिक गणित शामिल किया गया। जब साल 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में केंद्र में पूर्ण बहुमत की भाजपा की सरकार बनी तो राष्ट्रवादी सोच के लोगों ने उम्मीद लगाई थी कि पाठ्यक्रमों में बदलाव होगा। इसकी वजह यह भी रही कि जैसे ही 2004 में केंद्र में कांग्रेस की अगुआई वाली गठबंधन सरकार आई तो महज साल भर के भीतर ही उस सरकार ने बदले गए पाठ्यक्रमों को हटा दिया। मोदी सरकार के आठ साल बीतने को हैं, तब यह बदलाव सामने आया है। लेकिन यह भी सच है कि परिषद ने सिर्फ मुगल इतिहास में ही बदलाव नहीं लाया है बल्कि गणित, विज्ञान, भूगोल समेत तकरीबन सभी विषयों के पाठों में कटौती की गई है। वैसे मुगल इतिहास पर वैचारिक सवाल सदा से रहे हैं। माना जाता है कि वामपंथी वैचारिकी की ओर से तैयार किए गए मुगल इतिहास से जुड़े पाठ्यक्रम में तत्कालीन हकीकत को छुपाया गया और मुगल शासकों को सिर्फ और सिर्फ महान बताया गया। मुगल शासकों की कहानियों को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत करने, सभ्यता के उरूज काल के रूप में प्रस्तुत करने का भी आरोप रहा है। इसीलिए मुगल पाठ्यक्रम को हटाने की मांग उठती रही है। एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. सकलानी का कहना है कि अभी भी मुगलों के बारे में पाठ हैं। उनके अनुसार कक्षा सात और कक्षा 12 किताबों में मुगलों से जुड़े पाठ हैं। हर बार नई शिक्षा नीति आने के बाद पाठ्यश्चर्या बदलती है। फिर किताबें तैयार की जाती हैं। एनसीईआरटी की ओर से जो बदलाव हुए हैं तो उसकी एक बड़ी वजह यह प्रक्रिया भी है। वैसे अभी नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क तैयार हुआ है। नई शिक्षा नीति के अनुसार तैयार इस फ्रेमवर्क के बाद पाठ्यक्रम तैयार होने हैं। उसके बाद नई किताबें आएंगी। तब और भी बदलाव दिख सकते हैं।

विचार मंथन

2004 की तरह अति आत्मविश्वास में है भाजपा?

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी, इंडिया शाइनिंग की तरह अति आत्मविश्वास में भरी हुई प्रतीत हो रही है। पिछले तीन-चार माह से केंद्र सरकार के ऊपर जिस तरह के आरोप लग रहे हैं। उससे केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओर भारतीय जनता पार्टी के लिये बढ़ती हुई दिख रही हैं। विशेष रुप से अडानी समूह को लेकर राहुल गांधी और विपक्ष ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घेराबंदी की है। उसका असर सभी विपक्षी दलों के ऊपर पड़ा है। सभी विपक्षी दल एकजुट होते हुए नजर आ रहे हैं। सरकार भी बचाव की मुद्रा में आती हुई दिख रही है। पिछले 3 महीनों से जिस तरह के हमले एकजुट होकर विपक्ष द्वारा सरकार पर किए जा रहे हैं। संसद सत्र के दौरान यह आक्रमकता और उग्रता स्पष्ट रूप से देखने को मिली है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पाई। विपक्षी दल सरकार के दबाव में नहीं आए। जिन विपक्षी दलों का एक साथ खड़ा होना मुश्किल था।वह भी एक साथ खड़े हो गए। इसके बाद से सरकार दबाव में है।आम आदमी पार्टी भी पूरी मुखरता के साथ सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर ले रही है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष के नेताओं को ईडी और सीबीआई ने जिस तरह से अपने शिकंजे में ले रखा है। उसने भी सारे विपक्ष को एकजुट कर दिया है। ईडी और सीबीआई की जांच कई महीनों तक लंबित बनी रहने,और विपक्षियों पर लंबे समय तक तलवार लटकाए रखने को लेकर अब विपक्ष अलग रहते हुए भी एकजुट हो गया है। विपक्ष ने ईडी,सीबीआई के साथ-साथ न्यायालयों में भी अपने हितों की लड़ाई लड़ना सीख लिया है। हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा जो हलफनामा हाईकोर्ट में दायर किया गया है। उसमें रॉबर्ट वाड्रा और डीएलएफ को लेकर कोई सबूत नहीं होने की बात हलफनामा में कही है। प्रियंका गांधी और गांधी परिवार को घेरने के लिए जीजा जी के नाम पर जो बवंडर भाजपा ने बनाया था। 8 साल के बाद भी उसका कोई सबूत हरियाणा सरकार नहीं खोज पाई। प्रियंका और रॉबर्ट वाड्रा जी के ऊपर से बवंडर तो छट गया। भाजपा की विश्वसनीयता भी मतदाताओं के बीच में कम हुई है। हाल ही में जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने भी भाजपा की मुश्किलें बढ़ई हैं। सत्यपाल मलिक ने जम्मू कश्मीर में बीमा कंपनी और पुलवामा में 40 सैनिकों की शहादत मामले को लेकर जिस तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। उसने भी सरकार की मुसीबतों को बढ़ाने का काम किया है। किसान आंदोलन में जो आश्वासन सरकार नेकिसान नेताओं को लिखित में दिए थे। वह अभी तक पूरे नहीं हुए। सत्यपाल मलिक किसान परिवार के हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा ह रियाणा के किसानों के बीच उनका बहुत असर है। किसानों की मांग पूरी नहीं होने पर खाप पंचायतें और किसान आंदोलन एक बार फिर सिर उठाने लगा है। विपक्ष एकजुट होकर जिस तरह से जेपीसी की मांग पर अड़ा है। विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सीधे हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि अभी तक विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला करने से बचता था। यह माना जाता था,कि प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर हमला करने से भाजपा को फायदा होता है। लेकिन विपक्ष का यह भय अब दूर हो गया है। जिस तरह से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष को घेरते थे। उसी तरह से विपक्ष अब सरकार को घेरकर आक्रमकता का प रिचय दे रहा है। जनता पर भी सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी और सरकार का दबाव, मीडिया, संवैधानिक संस्थाओं, और जांच एजेंसियों के माध्यम से बहुत सारी स्थितियों को नियंत्रित करने में अभी तक सफल थी। लेकिन अडानी समूह पर हिंडन बर्ग की रिपोर्ट ने अडानी समूह को बहुत बड़ा झटका दिया। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अडानी की आड़ में निशाने पर ले लिया है। अडनी समूह की कंपनियों की जांच दुनिया के कई देशों में हो रही है। अडानी समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा है। भारत सरकार अडानी का कितना ही समर्थन कर दे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकार के लिए अडानी को बचा पाना नामुमकिन है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक हलकों में चर्चा होने लगी है, जिस तरह से 2004 में इंडिया शाइनिंग का अति आत्मविश्वास भाजपा में बना हुआ था। उसी तरीके का अति आत्मविश्वास वर्तमान में देखने को मिल रहा है। राजनीतिक हल्कों में चर्चा होने लगी है,यदि यही स्थिति रही, तो जिस तरह से कर्नाटक भाजपा में विधानसभा के चुनाव के पहले बगावत देखने को मिली है। इसी तरीके की बगावत लोकसभा चुनाव के पहले राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में देखने को मिल सकती है। उसका सबसे बड़ा उदाहरण, सत्यपाल मलिक जैसे सरकार के भरोसेमंद भाजपा नेता हैं। भाजपा संगठन के कई बड़े शीर्ष नेता नेपथ्य में हैं। वह वर्तमान नेतृत्व की कार्यप्रणाली से नाराज हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अक्षय तृतीया पर दिल्ली में एक दिन में सराफा बाजार में 250 करोड़ का कारोबार हुआ

- बीते वर्ष के मुकाबले कीमतों में करीब 10 हजार से अधिक की तेजी देखी गई

नई दिल्ली ।

अक्षय तृतीया पर्व के मौके पर राजधानी दिल्ली में सोने के आभूषणों की खरीदारी से सर्राफा बाजार चमक उठा। अनुमान जताया जा रहा है कि एक ही दिन में करीब 250 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ है। हालांकि, कारोबारियों का मानना है कि यह बीते वर्ष की तुलना में कम रहा है। बीते वर्ष के मुकाबले कीमतों में करीब 10 हजार रुपए से अधिक की तेजी देखी गई है। जो लोग अक्षय तृतीया पर आभूषण और सिक्का खरीदना शुभ मानते हैं, उन्होंने सीमित अनुपात में खरीदारी की है। दिल्ली में ज्वेलरी और सोने की होलसेल एवं खुदरा बिक्री की करीब 10 हजार दुकानें हैं। इनमें चांदनी चौक का कूचा महाजनी सबसे बड़ा बाजार है। इसके बाद लाजपत नगर, करोल बाग और अन्य बाजार हैं। शनिवार को कूचा महाजनी और अन्य बाजारों में ज्वेलरी की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहक जुटने शुरू हो गए। इनमें हल्की ज्वेलरी को पसंद करने वाले ग्राहकों की संख्या सबसे ज्यादा रही। कारोबारियों का कहना है कि नए डिजाइन वाली ज्वेलरी को ज्यादा पसंद किया। इसका बड़ा कारण यह है कि अब लोग ऐसी ज्वेलरी को खरीदना चाहते हैं जो बजट में हो। जबकि इससे पहले लोग ज्वेलरी के साथ सोने के सिक्के, गिन्नी को एक निवेश के तौर पर भी खरीदते थे। हर साल खरीदारी को लेकर लोगों को ट्रेंड बदल रहा है।

लोग अपनी जरूरत के अनुसार त्योहार के मौके पर खरीदारी का विकल्प तलाश लेते हैं। इस बार भी लोगों ने हल्के आभूषण की खरीदारी कर अपनी जरूरत को पूरा किया है। वहीं एनसीआर के शहरों के प्रमुख बाजारों में भी खरीदारों की भीड़ रही।

गुरुग्राम के सर्राफा बाजार में भी 100 करोड़ से अधिक के कारोबार का अनुमान लगाया गया है। बीते वर्ष अक्षय तृतीया पर 24 कैरेट सोने की कीमत 51 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो इस बार 62 हजार रुपए पहुंच गई है। इससे कारोबार पर असर जरूर पड़ा। बीते वर्ष करीब 400 से 500 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ था लेकिन इस बार कारोबार 250 करोड़ रुपए के आसपास रहा है।

देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन बीते वित्त वर्ष बढ़कर 12.5 करोड़ टन

नई दिल्ली । बीते वित्त वर्ष 2022-23 को देश का कच्चे इस्पात का उत्पादन 4.18 प्रतिशत बढ़कर 12.53 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में देश में 12.02 करोड़ टन से अधिक कच्चे इस्पात का उत्पादन हुआ था। इस दौरान तैयार इस्पात का उत्पादन बढ़कर 12.12 करोड़ टन पर पहुंच गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष के उत्पादन 11.36 करोड़ टन से 6.77 प्रतिशत अधिक है। बीते वित्त वर्ष में घरेलू स्तर पर इस्पात की खपत 12.69 प्रतिशत बढ़कर 11.91 करोड़ टन पर पहुंच गई। 2021-22 में इस्पात की खपत 10.57 करोड़ टन रही थी। एक विश्लेषण में कहा गया है कि बुनियादी ढांचा गतिविधियां बढ़ने की वजह से देश में इस्पात का उत्पादन और उपभोग बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष में इस्पात का निर्यात 50 प्रतिशत घटकर 67.2 लाख टन रह गया। एक साल पहले यह 1.34 करोड़ टन से अधिक रहा था। इस दौरान इस्पात का आयात 29 प्रतिशत बढ़कर 46.7 लाख टन से 60.2 लाख टन हो गया।

एक्सिस बैंक ने एफडी पर बढ़ाई ब्याज दरें

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी की है। बैंक ने अलग-अलग अवधि की एफडी दरों में 5 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया है। बैंक की वेबसाइट के मुताबिक नई दरें 21 अप्रैल, 2023 से लागू हो चुकी हैं। बता दें कि एक्सिस बैंक की ऑनलाइन एफडी में निवेश करने के लिए आपको कम से कम 5000 रुपए जमा करने होंगे। एक्सिस बैंक 7 दिनों से लेकर 10 साल तक की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 3.50 फीसदी से लेकर 7 फीसदी तक का ब्याज ऑफर कर रहा है. बैंक 2 साल से 30 महीने में मैच्योर होने वाली एफडी पर सबसे ज्यादा 7.20 फीसदी की दर से ब्याज ऑफर कर रहा है जबकि वरिष्ठ नागरिकों को इस अवधि की एफडी पर 7.95 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। 7 दिनों से 45 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर 3.50 फीसदी की ब्याज दर की पेशकश जारी रहेगी। 46 दिनों से 60 दिनों में मैच्योर होने वाली जमा पर बैंक 4 फीसदी ब्याज देगा। 61 दिनों से 3 महीने में मैच्योर होने वाली जमा राशियों पर 4.50 फीसदी ब्याज दर की पेशकश की जाएगी। 3 महीने से 6 महीने में मैच्योर होने वाली जमा राशियों पर अब 4.75 फीसदी की ब्याज दर दी जाएगी। एक्सिस बैंक ने 6 महीने से 9 महीने में मैच्योर होने वाली जमा पर 5.75 फीसदी ब्याज दर की पेशकश की जाएगी। 9 महीने से एक साल में मैच्योर होने वाली जमा पर 6 फीसदी ब्याज दर मिलेगी।

शंघाई ऑटो शो में पेश किया वोल्वो ईएक्स90 एक्सीलेंस ईवी को

-शुरुआत में वॉल्वो एस90 एक्सीलेंस को केवल चीन में बिकेगी

नयी दिल्ली । वोल्वो ने नई ईएक्स90 इलेक्ट्रिक एसयूवी को अब शंघाई ऑटो शो में पेश किया है। शुरुआत में वॉल्वो एस90 एक्सीलेंस को केवल चीन में सेल किया जाएगा उसके बाद दुनिया भर में ये ब्रिकी के लिए उपलब्ध होगी। वोल्वो ईएक्स90 ईवी में 5त कनेक्शन है। इसमें इंफोटेनमेंट और वाहन के लिए 14.5 इंच की स्क्रीन है। इसमें111केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और एक डुअल मोटर सेटअप है, जो चारों पहियों को पावर देता है। ये 496 एचपी की पीक पावर और 909 एनएम का टार्क जेनरेट करने में सक्षम है। ये एक बार फुल चार्ज में 650 किमी तक चल सकती है। वोल्वो ईएक्स90 ईवी में 14.5 इंच का वर्टिकल टच स्क्रीन सेंटर कंसोल, क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के स्नैपड्रैगन कॉकपिट, रडार, लिडार, कैमरे, सेफ्टी सेंसर, 360-डिग्री कैमरा, असिस्टेड ड्राइविंग और अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल सिस्टम जैसे फीचर्स मिलेंगे।बता दें कि वोल्वो ईएक्स90 ईवी के एक्सटीरियर में डुअल-टोन पेंट थीम है। इसमें एक बड़ा ओरेफोर्स् क्रिस्टल भी है जो डिस्पेंसर को कंट्रोल करता है। ईएक्स90 एक्सीलेंस में वूल ब्लेंड या नॉर्डिको अपहोल्स्ट्री मिलती है।

रुपया जल्द ही वैश्विक मुद्रा बनने की राह पर

नई दिल्ली। भारतीय रुपया वैश्विक मुद्रा बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है। दरअसल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उम्मीद जताई कि कारोबारी जल्द ही रुपए में विदेशी कारोबार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों के कई बैंक भारतीय बैंकों के साथ विशेष वोस्ट्रो अकाउंट्स खोल रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्रिटेन, सिंगापुर और न्यूजीलैंड सहित 18 देशों के संबंधित बैंकों के साथ स्पेशल रुपी वोस्ट्रो अकाउंट्स खोलने के 60 अनुरोधों को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक इस मुद्दे पर विभिन्न देशों में अपने समकक्षों के साथ चर्चा कर रहा है। गोयल ने राजकोट में कहा कि हम जल्द ही कई देशों के साथ रुपए में वै श्विक कारोबार होते हुए देखेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और कनाडा जैसे विकसित क्षेत्रों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए बातचीत चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया भारत के साथ कंप्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट यानी सीईपीए करना चाहती है। उन्होंने कपड़ा क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना के दूसरे चरण के बारे में कहा कि बहुत जल्द योजना की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी बाजार की चाल

कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं एफआईआई के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के कमजोर रुख से स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली के दबाव में रहने से बीते सप्ताह एक प्रतिशत से अधिक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह चाल निर्धारित करने में कंपनियों के समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के परिणाम की अहम भूमिका होगी। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 776 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 59655 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 203.95 अंक का गोता लगाकर 17624.05 अंक पर आ गया। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली का जोर रहा। इससे मिडकैप 124 अंक की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 24844.97 अंक और स्मॉलकैप 84.68 अंक की बढ़त लेकर 28234.26 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह वैश्विक रुख के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष 2021-2022 की अंतिम तिमाही में कंपनियों के तिमाही नतीजे का बजार पर असर रहेगा। इस सप्ताह मारुति, एक्सिस बैंक, विप्रो, हिंदुस्तान यूनीलीवर, इंडसइंड बैंक, महाराष्ट्र बैंक, बजाज ऑटो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और एसीसी जैसी दिग्गज कंपनियों के परिणाम जारी होने वाले हैं। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक एवं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। एफआईआई ने पिछले लगातार तीन महीने दिसंबर, जनवरी और फरवरी में बाजार से निवेश निकाल लिए। लेकिन मार्च में उसने 1,997.70 करोड़ रुपए की लिवाली की। इसके बाद एफआईआई अप्रैल में अब तक 316.67 करोड़ रुपए के लिवाल रहे हैं। इसी तरह घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का निवेश 342.32 करोड़ रुपए रहा। वैश्विक बाजार के सकारात्मक रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के कमजोर तिमाही नतीजे से हतोत्साहित निवेशकों की आईटी और टेक समेत पांच समूहों में हुई भारी बिकवाली के दबाव में सोमवार को शेयर बाजार कमजोर रहे। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर रिलायंस, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और टीसीएस समेत पंद्रह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से मंगलवार को शेयर बाजार में गिरावट रही। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, पावर और यूटिलिटीज समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली से बुधवार को शेयर बाजार` गिरावट में रहे। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर पावर, यूटिलिटीज और दूरसंचार समेत दस समूहों में हुई लिवाली की बदौलत गुरुवार को शेयर बाजार में बढ़त रही। विदेशी बाजारों के कमजोर रुझान के बावजूद स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, आईटी और टेक समेत सात समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को शेयर बाजार मामूली बढ़त पर रहे।

बिहार सरकार जैविक खेती अपनाने वाले किसानों को देगी प्रति एकड़ 6500 रुपए

नई दिल्ली ।

खेतों में रासायनिक खाद के इस्तेमाल से जमीन की उर्वरकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इसी कारण सरकारें किसानों को खेती में रासायनिक उर्वरक की जगह जैविक खाद का उपयोग करने की सलाह दे रही है. बिहार सरकार ने किसानों को जैविक खेती अपनाने पर आर्थिक मदद देने की भी घोषणा की है। बिहार कृषि विभाग के मुताबिक जैविक खेती करने वाले किसानों को 6500 रुपए प्रति एकड़ मिलेंगे। किसानों को ये राशि जैविक प्रोत्साहन योजना के तहत दिए जाएंगे। इस राशि को पाने के लिए किसानों को 2.5 एकड़ जमीन होना चाहिए। 2.5 एकड़ जमीन पर किसानों को कुल 16 हजार 250 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके लिए किसान को बिहार कृषि विभाग की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। किसी भी तरह की जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1800-180-1551 पर भी कॉल कर मदद ली जा सकती है। रासायनिक और जैविक खेती में बड़ा अंतर खर्च का आता है। अगर एक एकड़ खेती रासायनिक तौर पर की जाए तो खर्च 30 हजार प्रति एकड़ तक होता है। वहीं जैविक खेती में मात्र 5 हजार का खर्चा आता है। वहीं अगर कमाई की बात करें तो रासायनिक की तुलना में जैविक खेती में 20 फीसदी से अधिक मुनाफा होता है। वहीं जैविक खेती का माल बेचने में आसानी होती है और बड़ी संख्या में उसके खरीदार मिलते हैं। जैविक खेती के लाभ अनेक हैं। इस पद्धति को अपनाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति लम्बे समय तक बनी रहती है, साथ ही सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है। इस पद्धति की खेती में लागत भी कम आती है। वहीं पर्यावरण पर भी अच्छा प्रभाव पड़ता है। भूजल को बढ़ावा मिलता है और स्वास्थ्यवर्धकऔर रसायन से मुक्त अनाज प्राप्त होता है।

चाय उत्पादकों को सालाना 14.7 करोड़ किलो फसल का नुकसान

नई दिल्ली । देशभर में चाय के पौधों पर कीटों और बीमारियों का प्रकोप बढ़ने के कारण चाय उत्पादकों की चिंता बढ़ गई है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन से बढ़ते तापमान और लंबे समय तक बारिश नहीं होने से भी फसल को नुकसान पहुंच रहा है। उद्योग निकाय चाय अनुसंधान संघ (टीआरए) ने बताया कि चाय उत्पादकों को सालाना लगभग 14.7 करोड़ किलोग्राम फसल का नुकसान हो रहा है। टीआरए ने एक बयान में कहा कि चाय के पौधों पर कीटों के हमलों से राजस्व को सालाना 2,865 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। टीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कीटों और बीमारियां का प्रकोप पहले भी था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह बढ़ गया है। उत्तर भारत में, कीटों के हमले शुरू में पश्चिम बंगाल में डुआर्स के कुछ क्षेत्रों और असम के दक्षिण तट तक सीमित थे। लेकिन पिछले दो दशकों में यह कछार, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, दार्जिलिंग और तराई के अन्य चाय उत्पादक क्षेत्रों में तेजी से फैला है।

मस्क की टेस्ला ने अमेरिका में ऑटो पायलट क्रैश केस जीता

- अमेरिका में 2019 में एक ऑटोपायलट संबंधित दुर्घटना का मामला

सैन फ्रांसिस्को ।

अमेरिका में 2019 में एक ऑटोपायलट संबंधित दुर्घटना के मामले में जूरी ने एलेन मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के पक्ष में फैसला दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार कैलिफोर्निया प्रांत की अदालत में जूरी ने 2020 में टेस्ला पर मुकदमा करने वाले वादी जस्टिन सू को कोई हजार्ना नहीं दिया। जूरी ने पाया कि टेस्ला ऑटो पायलट सॉफ्टवेयर की गलती से वह दुर्घटना नहीं हुई थी, जिसमें ऑटो पायलट इंगेज होने के बावजूद कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई थी। टेस्ला अपने ऑटो पायलट और इसके फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) ड्राइवर सहायता सुविधाओं के लिए गहन जांच के अधीन है। टेस्ला को 2021 की टेस्ला मॉडल एस ऑटो पायलट सिस्टम से जुड़ी एक घातक दुर्घटना में यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) से इस साल फरवरी में क्लीन चिट मिला। अमेरिकी परिवहन एजेंसी ने निष्कर्ष निकाला कि टेक्सास प्रांत के स्प्रिंग में इलेक्ट्रिक वाहन दुर्घटना का संभावित कारण चालक की अत्यधिक गति और अपनी कार को नियंत्रित करने में विफलता थी।

ऑटो पायलट के मामले में, एनटीएसबी ने निर्धारित किया कि यह उपयोग में नहीं था क्योंकि जिस सड़क पर यह हादसा हुआ सिस्टम को वहां पर 30 मील प्रति घंटे से अधिक की गति के लिए प्रोग्राम नहीं किया गया था। यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) मस्क द्वारा किए गए सेल्फ-ड्राइविंग के दावों की भी जांच कर रहा है। एसईसी जांच यह निर्धारित करने के लिए है कि क्या इलेक्ट्रिक कार निमार्ता ने अपने फुल सेल्फ-ड्राइविंग (एफएसडी) और ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर को बढ़ावा देने में नियमों का उल्लंघन किया है। टेस्ला ने फरवरी में अमेरिका और कनाडा में अपने फुल सेल्फ-ड्राइविंग बीटा सॉफ्टवेयर का रोलआउट रोक दिया।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 354 परियोजनाओ की लागत 4.55 लाख करोड़ बढ़ी

- मार्च, 2023 तक बुनियादी परियोजनाओं पर खर्च हो चुके हैं 13,90,736.58 करोड़ रुपए

नई दिल्ली । बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 354 परियोजनाओं की लागत तय अनुमान से 4.55 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,449 परियोजनाओं में से 354 की लागत बढ़ गई है, जबकि 821 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार इन 1,449 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की वास्ते विक लागत 20,69,658.30 करोड़ रुपए थी लेकिन अब इसके बढ़कर 25,25,348.87 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 22.02 प्रतिशत यानी 4,55,690.57 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 13,90,736.58 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 55.07 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 616 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 333 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 821 परियोजनाओं में से 190 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 177 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 325 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 129 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 821 परियोजनाओं में विलंब का औसत 37.79 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिए जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 30 फीसदी बढ़ा

यस बैंक का मुनाफा 45 फीसदी गिरा

नई दिल्ली।

प्राइवेट सेक्टर के दिग्गज बैंक आईसीआईसीआई बैंक और यस बैंक ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 30 फीसदी बढ़ गया। सालाना आधार पर यस बैंक का मुनाफा 45 फीसदी गिरा है। आईसीआईसीआई बैंक के लिए मार्च तिमाही अनुमान से कहीं ज्यादा बेहतर रही। इसका मुनाफा सालाना आधार पर करीब 30 फीसदी बढ़ गया। बैंक को मार्च 2023 तिमाही में 9,121.9 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ जो सालाना आधार पर 30 फीसदी और तिमाही आधार पर 10 फीसदी अधिक रहा। वहीं एसेट क्वालिटी की बात करें तो इसका ग्रॉस एनपीए गिरकर 2.81 फीसदी पर आ गया है जो मार्च 2022 में 3.60 फीसदी और दिसंबर 2022 में 3.07 फीसदी पर था। आईसीआईसीआई बैंक को मार्च तिमाही में 9,121.87 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ जबकि दिसंबर 2022 तिमाही में इसे 8,311.85 करोड़ रुपए और मार्च 2022 तिमाही में 7018.71 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वहीं एसेट क्वालिटी की बात करें तो इसका नेट एनपीए मार्च 2023 में 0.48 फीसदी पर आ गया जो मार्च 2022 में 0.76 फीसदी और दिसंबर 2022 में 0.55 फीसदी पर था। वहीं ग्रॉस एनपीए मार्च 2023 में यह 2.81 फीसदी पर आ गया जो मार्च 2022 में 3.60 फीसदी और दिसंबर 2022 में 3.07 फीसदी पर था।

वहीं मार्च 2023 तिमाही में यस बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर गिरा है लेकिन तिमाही आधार पर बंपर बढ़ा है। बैंक को मार्च 2023 तिमाही में 202.43 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में इसे 367.46 करोड़ रुप, का मुनाफा हुआ यानी सालाना आधार पर मुनाफा 45 फीसदी गिरा है। तिमाही आधार पर दिसंबर 2022 तिमाही में इसे 51.52 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था यानी कि तिमाही आधार पर बैंक का मुनाफा 293 फीसदी बढ़ा है। बैंक का नेट एनपीए मार्च 2023 तिमाही में 0.83 फीसदी पर आ गया जो मार्च 2022 तिमाही में 4.53 फीसदी और दिसंबर 2022 तिमाही में 1.03 फीसदी पर था।

सऊदी अरब पाकिस्तान को कर सकता है दो अरब डॉलर की सहायता

इस्लामाबाद ।

नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान दो अरब डॉलर की अतिरिक्त जमा पाने के लिए सऊदी अरब के साथ ईद के बाद समझौता कर सकता है। इस कदम से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज हासिल करने में मदद मिलेगी, जिसकी उसे इस समय बहुत अधिक जरूरत है। पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ समझौता करने के लिए मार्च में सऊदी अरब से धनराशि देने की पुष्टि करने का आग्रह किया था। पाकिस्तान को इसी महीने रियाद से अतिरिक्त राशि जारी करने की मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान को सऊदी अरब से यह सहयोग बेहद महत्वपूर्ण समय में मिल रहा है। आईएमएफ के साथ 2019 में हस्ताक्षरित कार्यक्रम 30 जून, 2023 को निष्क्रिय हो जाएगा और तय दिशानिर्देशों के अनुसार उसके बाद कार्यक्रम को आगे नहीं बढ़ाया जा सकेगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान के सामने एक शर्त रखी है कि उसे सात अरब डॉलर का राहत पैकेज पाने के लिए पहले दूसरे देशों से तीन अरब डॉलर जुटाने होंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान दो अरब डॉलर के अतिरिक्त जमा के लिए ईद के तुरंत बाद सऊदी फंड ऑफ डेवलपमेंट (एसएफडी) के साथ एक समझौता करेगा। रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी ने कहा कि सऊदी अरब ने आईएमएफ से द्विपक्षीय सहयोग की पुष्टि कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विराट और गांगुली विवाद पर बोले शास्त्री, आगे बढ़ने के लिए हमेशा होती है जगह

नई दिल्ली । आईपीएम में पूर्व कप्तान विराट कोहली और दिल्ली कैपिटल्स के निदेशक सौरव गांगुली के बीच मतभेद नजर आये और इन दोनो ने पिछले मुकाबले में आमना-सामना होने पर हाथ तक नहीं मिलाया। यहां तक कि दोनो ने ही अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एकदूसरे को अनफॉलो कर दिया था। इस मामले से क्रिकेट प्रशंसक नाराज नजर आये। वहीं भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने इस मामले को लेकर कहा कि कितनी ही उम्र न हो जाये आगे बढ़ने के लिए कुछ न कुछ जगह जरुर होती है। शास्त्री से जब पूछा गया कि इस प्रकार के मामले आप कैसे सुलझाते तो उन्होने कहा , ये इसपर निर्भर करता है कि मेरा रिश्ता कैस है। अगर मैं बात नहीं करना चाहता, तो ऐसे ही चलता रहेगा पर इसके अंत में जब आप जाते हैं और बैठते हैं, तो आपको लगता है कि आगे बढ़ने के लिए हमेशा कुछ जगह होती है, चाहे आप कितनी भी उम्र के क्यों न हों।'विराट और गांगुली के संबंधों में तनाव तब आया जब गांगुली बीसीसीआई प्रमुख थे। उस दौर में विराट ने जब टी20 कप्तानी छोड़ी तो उन्हें एकदिवसीय से भी बाहर कर दिया गया जिससे नाराज होकर विराट ने टेस्ट कप्तानी भी छोड़ दी। उस समय ये भी कहा गया था कि विराट पर कप्तानी छोड़ने का दबाव बनाया गया था हालांकि बीसीसीआई ने इससे इंकार किया है।

आईपीएल में आज आमने सामने होंगे दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद ।(एजेंसी)

आईपीएल में सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद अपने घरेलू मैदान में जहां जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है। वहीं दूसरी ओर कैपिटल्स की नजर भी इस मैच में भी जीत पर रहेगी। अब तक इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसकी टीम को लगातार पांच मुकाबलों के बाद छठे मुकाबले में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से जीत मिली थी जिससे उसका मनोबल कुछ बढ़ा है। अंकतालिका में टीम हालांकि अब भी दो अंक लेकर सबसे नीचे है। टीम के बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं जिससे उसकी परेशानी बढ़ी है। दिल्ली को एकमात्र जीत पिछले मैच में

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मिली थी। इस मैच में उसके गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करके केकेआर को 127 रन ही बनाने दिये। इसके बाद बाद कप्तान डेविड वार्नर और और अक्षर पटेल के अच्छे प्रदर्शन से टीम ने यह मुकाबला जीता। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और मिशेल मार्श का खराब फॉर्म सबसे बड़ी समस्या बना है। पृथ्वी एक मैच में भी 15 रनों से आगे नहीं बना पाये हैं।

वहीं मार्श चार मैचों में दो बार शून्य पर ही आउट हुए हैं। वहीं गेंदबाजी में भी मार्श का प्रदर्शन ठीक नहीं रहा। इस कारण इस मैच में उनकी जगह पर रोवमैन पॉवेल या रिली रोसोयू को अवसर मिल सकता है। वहीं बल्लेबाज में युवाओं के विफल रहने से मनीष पांडे पर बड़ी पारी खेलने की जिम्मेदार रहेगी। अनुभवी ईशांत शर्मा ने सत्र में पहला मैच खेलते हुए शानदार स्पैल डाला और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। वॉर्नर केकेआर के खिलाफ लय में दिखे और इस मैच में भी इसे बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद लगातार की टीम इस मैच से एक बार फिर जीत की राह पर लौटना चाहेगी। वह अभी छह मैचों में चार अंक लेकर नौवें स्थान पर बनी हुई है। टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन अब तक ठीम नहीं रहा है। टीम लक्ष्य का पीछे करने में भी नाकाम रही है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स : डेविड वॉर्नर (कप्तान), पृथ्वी शॉ, फिल सॉल्ट, मिचेल मार्श, मनीष पांडे, अक्षर पटेल, अमन हाकिम खान, ललित यादव, कुलदीप यादव, एनरिच नोर्टजे, ईशांत शर्मा

सनराइजर्स हैदराबाद : एडेन मार्करम (कप्तान), हैरी ब्रूक, अभिषेक शर्मा, राहुल त्रिपाठी, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, वाशिंगटन सुंदर, मार्को जानसन, भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक।

सूर्यकुमार टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 6000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

मुंबई ।(एजेंसी)

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में अपने अर्धशतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। सूर्यकुमार टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 6000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। सूर्यकुमार ने पंजाब के खिलाफ 26 गेंदों पर 57 रन बनाये। उन्होंने अपनी इस पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 219.23 रहा। इस पारी के साथ ही सूर्या ने 248 मैच की 226 पारियों में 34.01 की औसत से 6,021 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 149.55 रहा है। इस दौरान उन्होंने तीन शतक और 38 अर्धशतक लगाए हैं। सूर्या सबसे तेजी से छह हजार रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने ये रन 4017 गेंद में बनाये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड सुरेश रैना के नाम था। रैना ने 4295 गेंदों में छह हजार रन बनाये थे। वहीं विश्व में सबसे तेजी से छह हजार रन बनाने के मामले में आंद्रे रसेल पहले नंबर पर हैं रसेल ने 3550 गेंदों में ही ये रन बनाये जबकि ग्लेन मैक्सवेल ने 3890, कीरोन पोलार्ड ने 3918) और क्रिस गेल ने4008 गेंदों में ये रन बनाये थे। आइईपीएल की बात करें तो उन्होंने मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों की ओर से खेलते हुए 29.75 की औसत और 137.94 की स्ट्राइक रेट से 2,767 रन बनाए हैं।

वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सूर्यकुमार ने 48 मैचों की 46 पारियों में 46.52 के औसत और 175.76 के स्ट्राइक रेट से 1,675 रन बनाए हैं। उन्होंने 117 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ इस प्रारूप में भारत की ओर से तीन शतक और 13 अर्धशतक लगाये हैं।

ला लिगा : मैड्रिड ने सेल्टा को हराकर बार्सिलोना पर दबाव बनाया

बार्सीलोना । रीयाल मैड्रिड ने सेल्टा विगो को 2 . 0 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल में शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना पर दबाव बना दिया । मार्को असेंसियो ने हाफटाइम से तीन मिनट पहले गोल करके बढत बनाई । इसके बाद सेंटर बैक एडेर मिलिताओ ने 48वें मिनट में दूसरा गोल किया । इस जीत के बाद मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच सिर्फ आठ अंक का अंतर रह गया है । बार्सिलोना को रविवार को तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से खेलना है । बार्सिलोना को पिछले दो मैचों में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा जिससे मैड्रिड ने उसकी बढत का अंतर कम कर दिया । अन्य मैचों में रीयाल सोशिदाद ने रायो वालेकानो को 2 . 1 से हराकर चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली । पांचवें स्थान पर काबिज रीयाल बेटिस को ओसासुना ने 3 . 2 से मात दी । एथलेटिक बिलबाओ ने अल्मेरिया को 2 . 1 से हराया जबकि वाल्लाडोलिड ने गिरोना को 1 . 0 से मात दी ।

2017 में सचिन की सलाह से मुझे अपने कैरियर का विस्तार करने में मदद मिली: मिताली

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दो दशक से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शीर्ष स्तर पर खेलने वाले सचिन तेंदुलकर और मिताली राज उत्कृष्टता और लंबे कैरियर की मिसाल बन गए हैं । तेंदुलकर ने लोगों को क्रिकेट से प्यार करना सिखाया तो मिताली महिला क्रिकेट की पहली सुपरस्टार हैं । हालांकि ऐसे महान खिलाड़ियों के कैरियर में भी उतार चढाव आते रहे हैं । तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन से पहले मिताली ने उनसे पहली बार बातचीत, अपनी बल्लेबाजी पर उनके प्रभाव और उनसे मिली सलाह से खेल में सुधार के अनुभव को साझा किया । मिताली ने कहा ,'' मुझे अभी भी याद है जब 2017 में इंग्लैंड में विश्व कप से पहले मैने उनसे बात की थी । मैं उनसे पूछना चाहती थी कि उनका कैरियर इतना लंबा कैसे रहा है और युवा पीढ़ी के नये गेंदबाजों का सामना करने के लिये वह क्या करते हैं ।%% उन्होंने कहा ,'' जब आपका कैरियर लंबा होता है तो हर पीढ़ी में बेहतरीन गेंदबाज आते हैं । मैं जानना चाहती थी कि उन्होंने इससे तालमेल कैसे बिठाया । उम्र के साथ लोग बात करने लगते हैं कि आपका फुटवर्क धीमा हो गया है और आप गेंद को तेजी से भांप नहीं पाते । उन्होंने कहा ,''मैं जानना चाहती थी कि वह इन चीजों से कैसे निपटते हैं । उन्होंने सुझाव दिये जिन पर मैने अमल किया ।

खेल के मानसिक पहलू पर बात की थी

मिताली ने 2017 विश्व कप में 409 रन बनाये और उनकी कप्तानी में भारत फाइनल तक पहुंचा । मिताली ने बताया कि उन्होंने सचिन से तकनीक के बारे में नहीं बल्कि खेल के मानसिक पहलू पर बात की थी । उन्होंने कहा ,'' हमने तकनीक के बारे में ज्यादा बात नहीं की क्योंकि सभी की तकनीक अलग होती है । इतने लंबे समय तक खेलने के कारण आप सीनियर होने के नाते जो सलाह दे सकते हैं, वह उन्होंने दी । उस समय मुझसे अपेक्षायें काफी अधिक थी । बतौर बल्लेबाज और बतौर कप्तान भी ।

मिताली की सचिन से पहली मुलाकात 2002 में हुई थी जब उन्होंने महिला टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड बनाया था । मिताली ने कहा ,'' 2002 में कैस्ट्रोल पुरस्कारों में मुझे सम्मानित किया गया । तेंदुलकर मुझसे मेरी तैयारियों और सुविधाओं के बारे में जानना चाहते थे । उस समय हम बीसीसीआई की छत्रछाया में नहीं थे । वह जानना चाहते थे कि मैं टर्फ विकेट पर ज्यादा खेलती हूं या मैट विकेट पर ।

संक्षिप्त समाचार

अभी एक सप्ताह और बाहर रहेंगे स्टोक्स : फ्लेमिंग

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा है कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को अभी एक सप्ताह और मैदान से दूर रहना होगा। स्टोक्स चोटिल होने के कारण अभी टीम से बाहर हैं। वइ इस सत्र में अब तक केवल दो मैच ही खेल पाये हैं। इस ऑलराउंडर के पैर के अंगूठे में चोट है और बाएं घुटने में भी दर्द है। फ्लेमिंग ने कहा कि हमारी प्राथमिकता स्टोक्स के पूरी तरह से फिट होने को लेकर है। इसी पर हमारा ध्यान भी है। स्टोक्स दो मैच खेलने के बाद पैर की चोट के कारण अगले चार मैचों में नहीं खेल पाए। फ्लेमिंग ने कहा, स्टोक्स चोटिल हो गए हैं और वह अभी एक सप्ताह और बाहर रहेंगे हालांकि उनकी चोट गंभीर नहीं है और वह वापसी के लिए फिटनेस हासिल करने के प्रयास में लगे हैं। वहीं फ्लेमिंग ने कहा कि कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अपनी चोट से उबर गये हैं और उनको लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा, धोनी पूरी तरह ठीक हैं। वह खेलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हमेशा टीम हित को सबसे ऊपर रखा है। अगर उनको लगता है कि वह चोट के कारण अपनी ओर से बेहतर योगदान नहीं दे पाएंगे तो वह स्वयं ही बाहर हो जाते। फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी विकेट के पीछे जिस तरह से मेहनत करते हैं उसके लिए उन्हें उतना श्रेय नहीं मिलता जितना मिलना चाहिए

एआईएफएफ प्रमुख बोले, फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 में जगह बनाना लक्ष्य

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) प्रमुख कल्याण चौबे ने कहा कि भारतीय टीम का अगला लक्ष्य फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 में अपनी जगह बनाना है। भारतीय टीम हाल ही में त्रिकोणीय टूर्नामेंट में जीत से फीफा रैंकिंग में पांच स्थान की छलांग लगाकर 101वें स्थान पर पहुंच गयी थी। एआईएफएफ के नये लक्ष्य को लेकर चौबे ने कहा, ''त्रिकोणीय टूर्नामेंट में म्यांमार और किर्गिस्तान पर जीत से भारत को अपनी फीफा रैंकिंग बेहतर करने में सहायता मदद मिली।'' उन्होंने कहा, ''हम अभी 101वें स्थान पर हैं और हमारा अगला ध्यान 100 अंक की बाधा को पार करना है। इसके लिए हम प्रयास करेंगे और आगे बढ़ेंगे।'' गौरतलब है कि भारत ने एक बार फरवरी 1996 में अब तक की सर्वश्रेष्ठ 94वीं रैंकिंग हासिल की थी। उसके अलावा साल 1993 में उसे 99 वीं, 2017 में 96 वीं और साल 2018 में 96 वीं रैंकिंग मिली थी। इसके बाद से ही उसकी रैंकिंग सौ से ऊपर ही रही है।

सिराज बाद अर्शदीप ने किया बीसीसीआई का लाखों का नुकसान !

- एक स्टंप के सेट की कीमत 25 से 30 लाख रुपए के बीच होती है

मुम्बई ।(एजेंसी)

आईपीएल में अपनी टीम पंजाब किंग्स को मुम्बई इंडियंस के खिलाफ शानदार जीत दिलाने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने इस मैच में बीसीसीआई को लाखों का नुकसान भी पहुंचाया। अर्शदीप ने अंतिम ओवर में दो रन देकर दो विकेट लिए पर इस दौरान उनकी तेज गेंद से विकेट के भी टूकड़े टुकड़े हो गये। अर्शदीप ने मैच के अंतिम ओवर में एक नहीं बल्कि दो-दो बार मिडिल स्टंप्स को तोड़ा। अर्शदीप ने पहले तिलक वर्मा को बोल्ड किया और उसके बाद नेहल वढेरा को इसी प्रकार बोल्ड कर दिया। इससे पहले आरसीबी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी इसी प्रकार का नुकसान बीसीसीआई का किया था। पंजाब और आरसीबी के बीच हुए इस मुकाबले के दौरान सिराज ने अपने जबरदस्त थ्रो से विरोधी टीम के बल्लेबाज बरहप्रीत सिंह भाटिया को रन आउट किया तो इससे एलईडी स्टंप भी टूट गयी थी। सिराज की इस थ्रो से स्टंप के भी दो टुकड़े हो गए जिससे बीसीसीआई को लाखों का फटका लगा।

प्रशंसकों के मन में सलाव उठा रहा होगा कि इन दोनो ही गेंदबाजों ने किस प्रकार बीसीसीआई का नुकसान किया होगा। तो उसका जबाव ये है कि स्टंप्स की कीमत लाखों में होती है। एक स्टंप के सेट की कीमत ही 25 से 30 लाख रुपए के बीच होती है। आईपीएल के एक मैच में दोनों छोरों पर दो स्टंप्स के सेट्स का इस्तेमाल होता है। अगर हम एक स्टंप्स के सेट की कीमत 25 लाख माने, तो मैच के दौरान दोनों छोरों पर 50 लाख के स्टंप्स और 1 लाख की जिंग्स बेल्स लगती है। ऐसे में अर्शदीप सिंह ने आईपीएल का भारी नुकसान कर दिया है।

अर्जुन तेंदुलकर सत्र में सबसे ज्यादा रन देने वाले दूसरे गेंदबाज बने

मुम्बई । आईपीएल में युवा अर्जुन तेंदुलकर के लिए पंजाब किंग्स का मुकाबला अच्छा नहीं रहा। अर्जुन ने इस मैच में एक ही ओवर में सबसे ज्यादा 31 रन दे दिये। इससे अगले मैच के लिए उनका चयन मुश्किल नजर आ रहा है। इस मैच के साथ ही अर्जुन ने इस सत्र में सबसे ज्यादा रन देने वाले दूसरे गेंदबाज बने हैं। इससे पहले गुजरात टाइटंस के यश दयाल ने केकेआर के खिलाफ इतने ही रन दिये थे। अर्जुन ने पारी के 16 वें ओवर में हरप्रीत सिंह और सैम कुरेन जैसे बल्लेबाजों को ये रन दिये। मुम्बई के वानखेड़े में 16वां ओवर अर्जुन फेंकने आए। उनके इस ओवर में एक वाइड के साथ ही 31 रन गये। इस ओवर में उन्होंने एक नो गेंद भी फेंगी। वहीं इस सत्र में अब तक किसी भी गेंदबाज के ओवर में इतने रन नहीं गये थे। अर्जुन के इस ओवन की पहली गेंद पर छक्का लगा जबकि दूसरी वाइड रही। तीसरी गेंद पर एक रन बना, वहीं चौथी गेंद पर चौका लगा। पांचवीं गेंद पर छक्का लगा जबकि छठी गेंद पर चौका लगा। इस प्रकार अर्जुन के इस ओवर में 31 रन बने। मुम्बई इंडियंस के किसी भी गेंदबाज का आईपीएल में यह अब तक का सबसे खराब ओवर है। वहीं गत वर्ष हुए आईपीएल में मुम्बई इंडियंस के डेनियल सैम्स ने 35 रन दिये थे। आईपीएल इतिहास के अब तक का सबसे महंगा ओवर साल 2021 में आरसीबी के हर्षल पटेल ने किया था। इस ओवर में हर्षल ने 37 रन दिये थे

मेरी जगह किसी युवा को मिलना था अवार्ड : करन

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस पर यहां मिली जीत के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन को शानदार प्रदर्शन के लिए लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला जिसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह किसी युवा खिलाड़ी को मिलना चाहिये था। करन इस मैच में नियमित कप्तान शिखर धवन की जगह पर कप्तानी कर रहे थे। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे मैन ऑफ द मैच मिलना चाहिए, क्योंकि लड़कों ने मैच को अच्छी तरह से खत्म किया है। शिखर धवन के बिना हम जानते हैं कि हमें वह जिम्मेदारी उठानी थी। हमारा समूह वास्तव में अच्छी तरह से एक साथ आ रहा है। शिखर जल्द फिट होंगे। हमने 7 में से 4 मैच जीते और यह प्रदर्शन खराब नहीं है। प्रबंधन और स्थानीय लोगों का भरपूर समर्थन मिला है। युवा खेल का आनंद ले रहे हैं और अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है और अहम बात यह है कि खेल का आनंद लें और अपने पर ज्यादा दबाव न डालें। इस मैच में करन ने 55 और हरप्रीति सिंह ने 41 रन बनाये थे। इसके बाद युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दो रन देकर दो विकेट लिए थे।

सचिन मेरे आदर्श ही नहीं, मार्गदर्शक भी रहे : युवराज

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर उनके आदर्श ही नहीं बल्कि कठिन समय में उन्हें राह भी दिखाते रहे हैं। युवराज के अनुसार ड्रेसिंग रूम में सचिन सबसे करीबी होने के साथ ही उनकी जिंदगी की सहायता करने वाले कोच रहे हैं। युवराज ने कहा, '' जब मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलता था तब हमारे पास कोच होते थे पर अगर मुझे अपनी बल्लेबाजी में कोई तकनीकी समस्या आती थी, तो मैं सचिन से ही सलाह लेता था। उन्होंने हमेशा समस्या का समाधान दिया है, इसलिए वह मेरे लिए आदर्श ही नहीं मार्गदर्शक भी थे।'' युवराज ने कहा, '' मैदान के बाहर भी वह मेरे लिए एक अभिभावक की तरह रहे हैं। जब भी मैंने जीवन में किसी व्यक्तिगत संकट या दुविधा का सामना किया, सचिन पाजी पहले व्यक्ति होते है जिससे मैं सुझाव लेता था। उनके पास हमेशा मेरे लिए सबसे अच्छा सबक और सलाह होती थी। '' युवराज ने साल 2011 विश्व कप के उस घटना को भी याद किया जब वह लगातार खांसते उल्टी करते रहते थे और इसके कारण ठीक से अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते थे। इस दौरान सचिन ने उनका पूरा साथ दिया। युवराज ने विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। युवराज ने कहा, ''उस समय मुझे भी नहीं पता था कि यह कैंसर है। सचिन नियमित रूप से मेरे संपर्क में रहते थे। अमेरिका में मेरे इलाज के दौरान भी, वह हमेशा मेरे ठीक होने को लेकर चिंतित रहते थे।''तेंदुलकर के साथ उनकी पसंदीदा मैदानी साझेदारी के बारे में पूछने पर युवराज को एक बहुत ही 'विशेष टेस्ट मैच' को याद किया। उन्होंने कहा, ''अगर आप देखेंगे तो सचिन पारी की शुरुआत करते थे और मैं छठे क्रम पर बल्लेबाजी करते था, ऐसे में सीमित ओवरों की क्रिकेट में हमें एक साथ बल्लेबाजी का ज्यादा अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा, '' टेस्ट क्रिकेट में हालांकि हमने दिसंबर, 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में 150 रन से अधिक की साझेदारी कर भारत को जीत दिलाई थी।

मैं मैदान पर बहसबाजी करता हूं पर झगड़े में नहीं पड़ता : विराट

बेंगलूर । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर अपने आक्रामक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। विराट ने हाल ही में बताया है कि किस कारण से वह मैदान में आक्रामक रुख अपनाते हैं। हाल ही में एक शो में कोहली ने कहा कि वह शारीरिक लड़ाई में नहीं पड़ते हैं। वीडियो में कोहली ने कहा, शारीरिक लड़ाई का तो सवाल ही नहीं। इसमें मुझे कोई मुझे मार के निकल जाएगा, इसलिए मैं इस प्रकार के झगड़े में नहीं पड़ता। वहीं मैदान में बहसबाजी पर कोहली कहते हैं कि मेरे से इस प्रकार का झगड़ा करवालो पर में शारीरिक झगड़े में नहीं पड़ता। इस वीडियो में कोहली कहते है, मुंह से कुछ भी बुलवालो पर मैं शारीरिक लड़ाई नहीं करता। इसके साथ ही कोहली यह भी कहते हैं कि मैदान में हमेशा अंपायर बीच बचाव करने आ जाते हैं, इसलिए उन्हें किसी बात की चिंता नहीं होती। कोहली मजाकिया अंदाज में कहते हैं. यार में किस भी प्रकार की बहस मैदान पर करता हूं क्योंकि मुझे पता है वहां पर लड़ाई नहीं हो सकती। वहां पर अंपायर बीच में आ जाएंगे, इसलिए चिन्ता नहीं रहती।।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आशावादी बनिए

एडिसन की प्रयोगशाला एक अग्निकांड में पूरी तरह से जल कर ध्वस्त हो गई। उनके जीवन भर की शोध सामग्री और बहुमूल्य उपकरण सब खाक हो गए। आर्थिक क्षति भी बहुत हुई। यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उस हादसे से आसानी से उबर नहीं पाता, किंतु एडिसन ने कहा, इसमें हमारी भूलें भी जल कर नष्ट हो गई हैं। हमें ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए, अब हम नए सिरे से जीवन को शुरू कर सकते हैं। इन सब के बीच व्यक्ति की जीवन यात्रा उत्थान की दिशा में बढ़ रही है या पतन की दिशा में, इसमें उस व्यक्ति के दृष्टिकोण की भूमिका सबसे बड़ी होती है।

भाग्य को न कोसें

हम में से अधिकांश लोग ऐसी स्थिति में अपने दु:ख-दर्द एवं दुर्भाग्य के लिए भाग्य को कोसते हैं या फिर दूसरों को दोषी मानते हैं। और नहीं तो भगवान पर ही गुस्सा निकालने लगते हैं। एडिसन ने भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद किया। जैसे ही हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है, तो स्थिति पलटने लगती है। आशा मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है।

हमारे जीवन में प्रयास, पुरुषार्थ, अवरोध एवं संघर्ष का लगातार एक क्रम चलता रहता है। और ऐसे में सफलताएं भी मिलती हैं और विफलताएं भी। लेकिन अगर आप हमेशा आशावादी बने रहेंगे तो नित नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहेंगे।

आशा उत्साह की जननी

प्रेमचंद ने एक जगह लिखा है, आशा उत्साह की जननी है। उसमें तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। यदि व्यक्ति आशा खो बैठता है तो जीवन नैया डूबने लगती है। आशा घोर अभाव और संकट के बीच भी निर्माण के तत्वों की खोज करती है। वह आभासित अभिशाप को भी वरदान में बदल देती है। ठीक इसके उलट, निराशावादी दृष्टिकोण के कारण हम अनुकूल अवसरों में भी प्रतिकूलता देखने लगते हैं। एडिसन आशावादी था, उसने अनुकूल अवसर खोजकर अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर लिया।

विफलता से मिलती है निराशा

इसलिए यदि घटनाएं हमारे अनुरूप नहीं घटतीं और हमें विफलता एवं निराशा का संदेश देती हैं, तो भी हिम्मत हारने एवं हताश होने की आवश्यकता नहीं। चाहे संघर्ष पथ पर हम गिर जाएं, पिट भी जाएं, तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी असफलता अंतिम नहीं होती। यदि लक्ष्य के प्रति मन में लगन हो, तो विफलता भी गिर कर फिर से उठकर खड़े होने और दुगुने उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

सफलताओं से सीखें

आशावादी व्यक्ति व्यावहारिक रुख अपनाते हुए अपने जीवन की छोटी - छोटी सफलताओं से क्रमश: आगे बढ़ता है। अपनी कार्यकुशलता और इच्छाशक्ति को क्रमश: विकसित करता जाता है। यह पद्धति रचनात्मकता का स्रोत बनकर उसे लगातार आगे बढ़ाती रहती है। निराशावादी व्यक्ति जहां एक दरवाजा बंद देखते ही अपना प्रयास छोड़ देता है, वहीं आशावादी व्यक्ति दूसरे खुले दरवाजों की तलाश में जुट जाता है। निराशावादी जहां सतत् हारता है, वहीं आशावादी अपनी तात्कालिक विफलताओं के बावजूद एक विजेता बन कर उभरता है। वास्तव में जब तक हम अपने जीवन के अर्थ एवं सुख की खोज के लिए बाहरी वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों पर निर्भर रहते हैं, तब तक निराशा का भाव भी बार-बार आता है। और जब दृष्टि अपने अंदर के मूल स्रोत की ओर मुड़ने लगती है, तो निराशा का कुहासा भी घटने लगता है।

हिम्मत न हारें

यदि हम छोटी-छोटी असफलताओं और रुकावटों से हिम्मत हार बैठते हैं और नकारात्मक भावों को जीवन में हावी होने देते हैं, तो यात्रा का हर कदम दूभर एवं कष्टप्रद बन जाता है। जीवन एक दु:खद घटना एवं दुर्भाग्यपूर्ण मजाक लगने लगता है। हमारी ऊर्जा कुंठित होने लगती है।

परमात्मा का वरदान

यहीं पर हमें परमात्मा की कृपा एवं वरदान की भाव भरी अनुभूति होती है। अपने ईमानदार प्रयास के साथ प्रभु प्रेम एवं उसके अचूक न्याय विधान के प्रति आस्था को धारण कर हम अनायास ही आस्तिकता एवं धार्मिकता के पथ पर बढ़ जाते हैं। वही हमें जीवन की सार्थकता के बोध की ओर ले चलती है।

ज्यों ही कोई विज्ञान पूर्ण एकता तक पहुंच जाएगा, त्यों ही उसकी प्रगति रुक जाएगी क्योंकि तब वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उदाहरणार्थ रसायनशास्त्र यदि एक बार उस मूल तत्त्व का पता लगा ले जिससे और सब द्रव्य बन सकते हैं तो फिर वह और आगे नहीं बढ़ेगा।

प्रकृति का दास नहीं मनुष्य

भौतिकी जब उस एक मूल शक्ति का पता लेगी, अन्य शक्तियां जिसकी अभिव्यक्ति हैं तब वह वहीं रुक जाएगी। वैसे ही धर्मशास्त्र भी उस समय पूर्णता को प्राप्त कर लेगा जब वह उसको खोज लेगा जो इस मृत्युलोक में एकमात्र जीवन है, जो इस परिवर्तनशील जगत का शाश्वत आधार है, जो एकमात्र परमात्मा है, अन्य सब आत्माएं जिसकी प्रतीयमान अभिव्यक्तियां हैं। इस प्रकार अनेकता और द्वैत में होते हुए इस परम अद्वैत की प्राप्ति होती है। धर्म इससे आगे नहीं जा सकता। यही समस्त विज्ञानों का चरम लक्ष्य है।

धर्म का प्रारंभ

धर्म का प्रारम्भ कैसे हुआ और वह क्रमश- विकास द्वारा आध्यात्मिक अद्वैतवाद की इस सीमा तक कैसे पहुंचा? क्या इसके बाद विचार के विकास पर विराम चिह्न लगा देना सम्भव है? मनुष्य मननशील प्राणी है। उसका मस्तिष्क अन्य सभी प्राणियों की अपेक्षा अधिक उन्नत है और यह मस्तिष्क ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जबकि दूसरे प्राणियों ने आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति से अपने आप को प्रकृति के अनुरूप ढाला है और निरन्तर ढालता जा रहा है। मनुष्य प्रकृति का दास नहीं विजेता है। उसने अपनी विचार-शक्ति द्वारा आग, पानी, बिजली का प्रयोग करके, शस्त्र-यंत्र का आविष्कार करके और प्रकृति के नियमों की खोज लगाकर अपनी इस विजय को सम्भव बनाया। प्रकृति को बदलने में वह स्वयं भी बदला। अपने इस संघर्ष में ही वह पशु से मनुष्य, हैवान से इंसान बना।

दैविक शक्ति का हाथ

मतलब है कि उसके निर्माण में किसी दैविक शक्ति का हाथ नहीं, बल्कि अपने इस संघर्ष के दौरान देव, दानव तथा ईश्वर आदि दैवी शक्तियों का निर्माण स्वयं उसने किया। सभी विचार भौतिक परिस्थितियों से उत्पन्न हुए, मनुष्य ने उन्हें व्यवहार की कसौटी पर परखा। उनके असार तत्त्व को त्याग कर सारतत्त्व को भौतिक शक्ति में परिणत किया तथा सिद्धान्तों का रूप दिया।

प्रेम का कमल भक्ति

सपनों का ताना-बाना क्षण भर को रुकता नहीं। उसी सपने के जाल का नाम माया है। उसी सपने के जाल में उलझे तुम परेशान और पीड़ित हो। जो नहीं है उसने तुम्हें अटकाया है। जो नहीं है, उसने तुम्हें भरमाया है। जो नहीं है उसने तुम्हारी आंखें बंद कर दी हैं और जो है उसे देखना मुश्किल हो गया है।

मन के साथ जो चला, वह कभी भगवान तक न पहुंच सकेगा। भगवान यानी जो है, भक्ति यानी जो है, उसे देखने की कला। लेकिन जो है, वह हमें दिखायी क्यों नहीं पड़ता? जो है वह तो हमें सहज दिखायी पड़ना चाहिए। जो है उसे खोजने की जरूरत ही क्यों हो? जो है उसे हम भूले ही क्यों, उसे हम भूले ही कैसे? जो है उसे हमने खोया कैसे? जो है उसे खोया कैसे जा सकता है?

इसलिए पहली बात समझ लेनी जरूरी है, मन का नियम। मन उसी को जानता है जो नहीं है। तुम्हारे पास अगर दस हजार रुपए हैं तो उन दस हजार रुपयों को मन भूल जाता है। मन उन दस लाख रुपयों का चिंतन करता है जो होने चाहिए, पर हैं नहीं। मन अभाव का चिंतन करता है। जो पत्नी उपलब्ध है, मन उसे भूल जाता है। जो स्त्री उपलब्ध नहीं है, मन उसकी कल्पनाएं करता है, योजनाएं बनाता है। जो मिला है, मन उसे देखता ही नहीं। उसी पर नजर रखता है, जो मिला नहीं है। हाथ की असलियत मन को नहीं भाती, स्वप्न के आभास भाते हैं। मन स्वप्न के भोजन पर जीता है। मन जीता ही स्वप्न के सहारे है।

भीतर सपनों का जाल

जब भी आंख बंद करोगे, भीतर सपनों का जाल पाओगे। आंख खोले काम में भी लगे हो, तब भी भीतर उनका सिलसिला जारी रहता है। तब भी पर्त-दर-पर्त सपने घने होते रहते हैं। तुम देखो या न देखो, लेकिन मन सपने बुनता रहता है। मन का

मन में श्रद्धा नहीं

रात तुमने कितनी बार सपने देखे हैं और हर बार जागकर पाया, झूठे थे! लेकिन फिर जब रात आज देखोगे स्वप्न तो देखते समय सच मानोगे। झूठ को सच मानने की तुम्हारी कितनी प्रगाढ़ धारणा है! कितनी बार जागकर भी, कितनी बार देखकर भी कि सपने सुबह झूठ सिद्ध हो जाते हैं, फिर भी जब तुम रात स्वप्न देखोगे तो सच मालूम होगा। लोग कहते हैं, हमारे मन में श्रद्धा नहीं है। हम बड़े संवेदनशील हैं।

निस्तार कैसे होगा

हमारा निस्तार कैसे होगा? मैं कहता हूं, तुम सपनों तक पर श्रद्धा करते हो, सत्य की तो बात ही छोड़ो। तुम सपनों तक पर भरोसा करते हो, उन पर तक तुम्हें अभी सन्देह नहीं आया, तो तुम और किस पर सन्देह करोगे? जो नहीं है, उस पर भी सन्देह नहीं हो पाता, तो जो है उस पर तुम कैसे सन्देह करोगे? जिसने सपने तोड़े, उसके भीतर श्रद्धा का जन्म हुआ। जिसने सपने तोड़े, उसने तब सत्य को जानने का मार्ग साफ कर लिया।

बुद्धि नहीं हृदय की सुनिए

तुम्हारा हृदय ही कहेगा। हृदय हमेशा कह देता है, मगर तुम सुनते नहीं हो हृदय की। तुम कहते हो, कैसे गुरु को पहचानें? क्या कसौटी है? बुद्धि कसौटी मांगती है, हृदय तत्क्षण कह देता है, हृदय की सुनो, बुद्धि को एक तरफ रख दो।

हृदय से कभी भूल नहीं हुई है। हृदय ऐसे ही है, जैसे तुमने दिशासूचक-यंत्र, जो सदा बताता रहता है पूरब की ओर, सूरज उगने की ओर। हृदय सदा परमात्मा की तरफ इशारा करता है, मगर तुम हृदय नहीं बुद्धि की सुनते हो और बुद्धि की सुनने के कारण अक्सर भ्रांति में पड़ते हो। सच यह है कि जब तक बुद्धि की सुनते रहोगे, तब तक गुरु नहीं मिलेगा। जो मिलेंगे वे गुरु के धोखे होंगे। गुरु के धोखे बुद्धि को राजी कर लेंगे, क्योंकि गुरु के धोखे का मतलब होता है-जो तुम्हें राजी करने को ही बैठा है। तुम जैसा चाहते हो, वैसा बनकर बैठा है। सद्गुरु कभी भी तुम्हारी अभिलाषाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होता, हो ही नहीं सकता। नहीं तो जीसस को लोग सूली चढ़ाते? बुद्ध को पत्थर मारते? महावीर को गांव से खदेड़ कर निकालते? सुकरात को जहर पिलाते? यह मत सोचना कि वे सब लोग पागल थे। वे तुम्हारे ही जैसे लोग थे, तुम ही थे-जिन्होंने जीसस को सूली दी, सुकरात को जहर पिलाया, बुद्ध को पत्थर मारे, महावीर के कानों में सींखचे ठोक दिये। वे तुम से जरा भी भिन्न न थे। ऐसा नहीं है कि गुरुओं की पूजा उस दिन नहीं हो रही थी। जब बुद्ध को लोग पत्थर मार रहे थे, तब भी पंडित, पुजारी, पोंगापंथी पूजे जा रहे थे। जब जीसस को लोग सूली पर चढ़ा रहे थे, तब भी धर्मगुरु का सम्मान किया जा रहा था।

तुम्हारी बुद्धि जिससे राजी हो जाती है, वह अक्सर धोखा होता है। उसके पीछे कारण है, क्योंकि वह धोखे की पूरी तैयारी करता है। वह गुरु नहीं, गहरे अर्थ में सिर्फ राजनेता है। राजनेता की कला का सार यही है कि लोग जहां जाना चाहते हैं, वहां जल्दी से उचक कर उनके आगे हो जाता है।

लोग पूरब जा रहे हैं तो वह कहता है पूरब जाना है। लोग पश्चिम जाने लगें तो कहता है, मैं तो सदा कह रहा था कि पश्चिम जाना है और लोगों को समझ नहीं आ पाता कि वह हमारी नजरें परख रहा है, हमारे भाव परख रहा है, हवा का रुख परख रहा है। सद्गुरु तुम्हारे हिसाब से नहीं चल सकता,परमात्मा के हिसाब से चलता है। उसके साथ तो जिसे राजी होना हो, उसे ही राजी होना पड़ता है। वह तुम से राजी नहीं होता। समझ लेना, जो तुमसे राजी है, वह तुम्हें बदल नहीं पाएगा।

कई बार ऐसा होता है कि ध्यान में जाने और मंत्रों के उच्चारण के बाद भी मन अन्य बातों की ओर भागता है।

मानसिक ऊर्जा का स्रोत

जैसे किराने की दुकान खुली या नहीं? या आज खाना कौन बनाएगा? पर जब आप खुद के साथ समय बिताने की आदत डाल लेंगे तो मंत्र आपकी मानसिक शक्ति और ऊर्जा को बढ़ाएंगे और उच्च संस्कारों का निर्माण होगा। आपको अपने मन को इसके अनुकूल बैठाना होगा। अनचाही चीजों के बारे में सोचते रहना मन का स्वभाव होता है। जब भी हम चिंता करते हैं तो हमारा शरीर काफी सारी ऊर्जा खो बैठता है।

ऊर्जा मत खोओ

दो गलत तरह के मंत्रों का उपयोग करने से हम अपनी यह ऊर्जा खो बैठते हैं। पहला है आर्द, जिसका मतलब होता है बार-बार दु:खों को याद करते रहना। दूसरा है रौद्र, जिसका मतलब होता है गुस्से को आने देना। इनका परिणाम यह होता है कि शरीर बीमारियों का शिकार होने लगता है। अपने मन को आर्द और रौद्र से छुटकारा दिलाने के लिए अपनी आध्यात्मिक क्रिया जारी रखें, मंत्रों का उच्चारण करें और ध्यान में जाएं। महर्षि पातंजलि ने योगसूत्रों में कहा है- यदि स्तान संशय अतिरति प्रमाद आलस्य। बीमारी, उत्साह की कमी, शंका, चिंता आदि रुकावटों को दूर करने के लिए एक तत्व अभ्यास का प्रयोग करें। किसी भी एक मंत्र का उच्चारण करें, उस एक ध्वनि का, एक शब्दांश का लंबे समय तक अभ्यास करें।

मन का विचार

तो जब मन में विचार और मंत्र दोनों चल रहे हों, आपका मन और चैतन्य मंत्रों से भरा होना चाहिए। तब मन चिंताओं से मुक्त हो जाता है क्योंकि एक मंत्र में शक्ति के साथ-साथ एक खास स्पंदन भी होता है। जब उसका उच्चारण किया जाता है, तो वह ऊर्जा में बदल जाता है और आपके चैतन्य को भर देता है। जैसे-जैसे चैतन्य में यह ऊर्जा बढ़ती है, हम स्वयं के और करीब आ जाते हैं और हमारी हर चीज में- जैसे कि हमारे घर में, मन में शरीर और वातावरण में यह ऊर्जा और निश्चयात्मकता फैलती चली जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में क्षेत्रीय अलगाववाद को एक प्रोफेसर ने किया उजागर

इस्लामाबाद। भारत के विकास के एजेंडे को पाकिस्तान पचा रहीं पा रहा है। भारत के डेवलपमेंट को देखकर आए दिन पाकिस्तानियों के जलने की खबर आती रहती है। एक पाकिस्तानी प्रोफेसर एमएस रजा ने लद्दाख एयरपोर्ट पर लगे साइन बोर्ड को लेकर शहबाज शरीफ सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक तस्वीर को ट्वीट कर लिखा कि यह लद्दाख का लेह एयरपोर्ट है। उन्होंने आगे बताया कि लेह एयरपोर्ट पर लग रहे साइन बोर्ड पर स्थानीय भाषा में भी जानकारियां दी गई हैं। पाकिस्तान में इस तरह की जानकारी वहां की स्थानीय भाषा में नहीं दी जाती है। उन्होंने इस साइनबोर्ड को पाकिस्तान के क्षेत्रीय अलगाववाद से जोड़ा। रजा नेशनल इक्वेलिटी पार्टी गिलगित बाल्टिस्तान एंड लद्दाख के चेयरमैन हैं। प्रोफेसर एमएस रजा ने ट्वीट में लिखा है कि ये है लद्दाख का लेह एयरपोर्ट। क्या आप जानते हैं इस तस्वीर में क्या है खास? स्थानीय भाषा। इस हवाई अड्डे के बोर्ड के ऊपर लद्दाख की स्थानीय भाषा लिखी हुई है। पहचान और मान्यता का यही अर्थ है। हमें गिलगित, बाल्टिस्तान या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में कहीं भी किसी भी बोर्ड पर एक भी शब्द नहीं लिखा हुआ मिला। गिलगिट बाल्टिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में हमारी पहचान, संस्कृति और मान्यता से जुड़ी हर चीज नष्ट हो रही है और पंजाबी पहचान और संस्कृति हावी हो रही है।

हीटवेव से 15,000 से अधिक लोगों की यूरोप में मौत

– एशियाई देशों में भी रिकॉर्ड गर्मी

नई दिल्ली। यूरोप में हीटवेव के कारण पिछले साल 15000 से ज्यादा मौतें हुई थी। इस साल भी हीटवेव से यूरोप के देश भारी संकट में है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन, धरती का तापमान बढ़ने से चिंतित है।पर्यावरण में परिवर्तन आने के कारण बाढ़, सूखा,ठंड और गर्मी का चक्र सारी दुनिया के देशों में तेजी के साथ बदल रहा है। विश्व के मानचित्र पर एशियाई महाद्वीप में भी रिकॉर्ड गर्मी दर्ज की जा रही है।भारत, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, चीन सहित एशियाई देशों के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले साल गर्मी ने सारी दुनिया में अपना प्रचंड रूप दिखाया था। इस वर्ष भी कई एशियाई देश भारी गर्मी की चपेट में है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा 2022 की जो वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई है। उसमें कहा गया है कि ग्रीन हाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर ने, वैश्विक स्तर पर सूखा, बाढ़ और हीटवेव के कारण मौसम में परिवर्तन लाने का काम किया है। इसका असर बड़ी तेजी के साथ जन जीवन के ऊपर पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार 3 ग्रीन हाउस गैसों, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रिक ऑक्साइड के स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में गर्मियों के दौरान हीटवेव से स्पेन में लगभग 4600 जर्मनी में 4500 यूनाइटेड किंगडम में 2800 फ्रांस में लगभग 2800 तथा पुर्तगाल में 1000 से अधिक लोगों की मौत का कारण हीटवेव था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार 1850 के बाद 2022 का साल दुनिया का सबसे गर्म साल रिकॉर्ड किया गया है।

नासा ने शेयर किया पृथ्वी का अद्भुत वीडियो, 90 लाख से अधिक लोग देख चुके

वाशिंगटन। नासा ने पृथ्वी का एक अद्भुत वीडियो इंस्टा पर शेयर किया है, जिसे अबतक 90 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। ब्रह्मांड के बारे में जानना, समझना और पढ़ना एक रहस्य के बारे में खोज करनेवालों के लिए नासा का इंस्टाग्राम हैंडल एक खजाना है जो इन रहस्य की गहराई में गोता लगाना चाहते हैं। अंतरिक्ष एजेंसी नासा के इंस्टाग्राम हैंडल से नियमित रूप से आकर्षक वीडियो और फोटो शेयर किया जाता है। हाल ही में स्पेस एजेंसी ने एक शानदार वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो पृथ्वी को एक अलग एंगल से दिखाता है। वीडियो देख आप भी रोमांच से भर उठेंगे और एक अलग ही दुनिया में खो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शानदार वीडियो को शेयर करते हुए नासा ने लिखा 'देखिए जैसे जैसे दुनिया गुजरती है, सचमुच। वे लोग जो हमारे गृह ग्रह को एक अलग एंगल से देखने के दुर्लभ अवसर के लिए पृथ्वी की कक्षा में गए हैं, उनका कहना है कि अंतरिक्ष में यह नीला संगमरमर वास्तव में काफी सुंदर और रोमांचकारी है जब इसे 250 मील सीधे ऊपर से देखा जाता है।' वीडियो के कैप्शन में नासा ने जानकारी दी। नासा ने कहा 'अल्ट्रा-हाई डेफिनिशन वीडियो को मार्च 2022 और मार्च 2023 के बीच अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अभियान 67 और 68 के दौरान कैप्चर किया गया था।' आईएसएस 409 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करता है। यह 90 मिनट में पृथ्वी की एक परिक्रमा पूरी करता है। कैप्शन में आगे लिखा है 'आप अपने आप को एक घंटे की ड्यूटी की छुट्टी के साथ एक स्टेशन क्रू मेंबर के रूप में कल्पना करें। वैसे खिड़की से बाहर देखने से बेहतर कुछ हो सकता है भला।' पोस्ट किए जाने के बाद से वीडियो को 90 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो को 8 लाख से ज्यादा लाइक्स और 2000 से अधिक कमेंट्स मिल चुके हैं।

29 लोगों ने भूखा रहकर दी जान

केन्या। अफ्रीका के देश केन्या में एक ईसाई पास्टर के कहने पर 29 लोगों ने भूखा रहकर सामूहिक आत्महत्या कर ली। पुलिस ने इन लोगों के शवों को किल्फी प्रांत में शाकाहोला के जंगल से बरामद किया। दरअसल, गुड न्यूज इंटरनेशनल चर्च के पास्टर ने इन लोगों को कहा था कि अगर ये भूखे रह कर खुद को दफन कर लेते हैं तो इनकी मुलाकात जीसस से होगी और इन्हें स्वर्ग नसीब होगा। अब इन लोगों के शवों को निकालने का काम तीन दिनों से चल रहा है। केन्या की पुलिस ने एक कब्र से तो एक ही परिवार के 5 लोगों को निकाला है। जो एक साथ जीसस से मिलना चाहते थे। पुलिस को अभी तक 65 कब्र मिली हैं। इनसे लोगों को निकालने का काम चल रहा है।

2027 में ताइवान पर हमला करेगा चीन

ताइपे। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने दावा किया है कि चीन उनके देश पर 2027 तक हमला कर देगा। चीन से लगातार मिल रही धमकियों के बीच वू ने एक इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने कहा, हम चीन की मिलिट्री के खतरे को गंभीरता से ले रहे हैं। हमें लग रहा है कि 2027 वो साल होगा जब हम पर हमला हो सकता है। ताइवान इस लड़ाई के लिए तैयारी कर रहा है। उन्होंने ये भी कहा कि ताइवान को उन्हीं के जैसी विचारधारा वाले देश ही चीन के हमले से बचा पाएंगे। यहां अपने जैसी विचारधार से उनका मतलब ब्रिटेन और अमेरिका से है। जो ताइवान को सैन्य सहायता देते रहे हैं।

नस्लवाद आज ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व, शोधकर्ता का दावा

लंदन। एक नए शोध से पता चला है कि नस्लवाद ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व है और देश में जातीय व धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों के एक-तिहाई से अधिक लोगों ने किसी न किसी रूप में नस्लवाद का सामना किया है। इस शोध को अंजाम देने वाले दल में भारतीय मूल की एक शिक्षिका भी शामिल है। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र की वरिष्ठ व्याख्याता और शोध के सह-लेखकों में से एक डॉ. धर्मी कपाड़िया ने नस्ली भेदभाव को बढ़ावा देने वाली नीतियों और प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया। कपाड़िया ने नस्लवाद और जातीय असमानताओं के सिलसिले में 'सेंटर ऑन डायनेमिक्स ऑफ एथ्निसिटी' (सीओडीई) द्वारा किए गए 'एविडेंस फॉर इक्वैलिटी नेशनल सर्वे' (ईवीईएनएस) नामक सर्वेक्षण पर किंग्स कॉलेज लंदन और सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय के लेखकों के साथ काम किया। कपाड़िया ने कहा है ?कि हमारा डेटा इस बात का पुख्ता सबूत है कि नस्लवाद आज ब्रिटिश समाज का एक स्थायी तत्व है। उन्होंने कहा है ?कि हालांकि, नस्लवाद से निपटने के लिए केवल कार्यस्थलों और मेट्रोपॉलिटन पुलिस जैसे संस्थानों से खराब लोगों को हटाने से काम नहीं चलेगा। जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए बेहतर माहौल और अवसर सुनिश्चित करने के लिए हमें उन नीतियों व प्रक्रियाओं को गंभीरतापूर्वक बदलने की जरूरत है, जो नस्ली भेदभाव को जारी रखने में मदद करती हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वालों ने नस्लवाद के अलग-अलग रूपों का जिक्र किया, जिनमें शारीरिक, मौखिक या संपत्ति को नुकसान जैसे रूप शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने शिक्षा, काम और घर ढूंढने के मामले में भी नस्लवाद का सामना करने की बात कही। कुल मिलाकर, हर छह प्रतिभागियों में से लगभग एक ने नस्लीय रूप से प्रेरित शारीरिक हमले का सामना किया।

हंगरी में एक परेड कर साइकिल को आवागमन के लिए एक बेहतर साधन के तौर पर पेश करते हुए लोग।

रूस से सस्ता तेल खरीदना पाकिस्तान को पड़ सकता है भारी

इस्लामाबाद। भारत की नकल करते हुए पाकिस्तान को रुस से सस्ता तेल खरीदना भारी पड़ सकता है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी दबाव को नजरअंदाज करते हुए भारत रूस से भारी मात्रा में तेल आयात कर रहा है। चीन ने भी मॉस्को से तेल खरीदना जारी रखा है। अब रूस से सस्ता तेल आयात करने वाले एशियाई देशों में पाकिस्तान भी शामिल हो गया है। लेकिन भारत की नकल पश्चिम को नाराज कर सकती है और संकटों से घिरे देश पर भारी पड़ सकती है। भारत के रूस से तेल खरीदने का जब पश्चिमी देशों ने विरोध किया तो विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारा जवाब दिया था लेकिन पाकिस्तान फिलहाल किसी को भी जवाब देने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने बताया कि इस्लामाबाद ने रूस के साथ एक नए सौदे पर साइन किए हैं जिसके तहत कच्चे तेल का पहला ऑर्डर दे दिया गया है और कार्गो मई में कराची बंदरगाह पर डॉक करेगा। मलिक ने कहा कि अगर पहला लेनदेन सुचारू रूप से हो जाता है तो मॉस्को के साथ हुए नए सौदे के तहत पाकिस्तान का आयात प्रति दिन 1,00,000 बैरल तक पहुंचने की उम्मीद है। बता दें कि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के चलते रूस अब अपने परंपरागत यूरोपीय खरीदारों के बजाय एशिया, अफ्रीका और अन्य लैटिन अमेरिकी देशों में तेल निर्यात कर रहा है। रूस और पाकिस्तान की डील महीनों लंबी बातचीत के बाद हुई है। इस साल की शुरुआत में रूस के ऊर्जा मंत्री निकोले शुल्गिनोव ने पाकिस्तान की यात्रा की थी। यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत और चीन रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार बन गए हैं जो 1.9 मिलियन बैरल तेल रोज खरीद रहे हैं। यह कुल मिलाकर तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा है। पाकिस्तान भी अब सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के अलावा रूस से ऊर्जा व्यापार के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग की एक महत्वपूर्ण शुरुआत कर रहा है।

पीएम मोदी की पहल पर सूडान से सुरक्षित निकाले गए भारतीय नागरिक

-विदेश मंत्री जयशंकर ने सऊदी समकक्ष से की बातचीत, जरुरी सुविधाएं कराएंगे मुहैया

रियाद (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर हिंसाग्रस्त सूडान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाल कर सऊदी अरब पहुंचा दिया गया है। सूडान में इस समय चारों ओर हिंसा हो रही है। इस बीच हिंसाग्रस्त सूडान से सऊदी अरब द्वारा निकाले गए 'मित्रवत और भाईचारे वाले देशों' के 66 लोगों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। निकासी विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा अपने सऊदी अरब समकक्ष से बात करने के कुछ दिनों बाद हुई। वहां सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई के कारण सूडान हिंसा का सामना कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 72 घंटे के सीजफायर के बीच भी हिंसा की खबरें आ रही हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में कहा है कि सऊदी अरब के नेतृत्व के निर्देशों के कार्यान्वयन में, हम सूडान से सऊदी अरब के निकाले गए नागरिकों और राजनयिकों और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों सहित भाईचारे और मित्र देशों के कई नागरिकों के सुरक्षित आगमन की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। मंत्रालय ने कहा कि उत्तरी अफ्रीकी देश सूडान से न केवल उसके अपने नागरिकों बल्कि सहयोगी और मित्र राष्ट्रों के कई नागरिकों को निकाला गया।

मंत्रायल के बयान में आगे कहा गया है कि निकाले गए नागरिकों की संख्या 91 तक पहुंच गई, जबकि भाईचारे और मित्र देशों के निकाले गए नागरिकों की संख्या लगभग 66 तक पहुंच गई। इनमें भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, बुल्गारिया, कुवैत, कतर, यूएई, मिस्र, ट्यूनिशिया, फिलीपींस, कनाडा और बुर्किना फासो के नागरिक हैं। सऊदी अरब इन सभी को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। पीएम मोदी ने सूडान में हाल के घटनाक्रमों का आकलन किया और वर्तमान में देश भर में स्थित 3,000 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के साथ जमीनी स्थितियों की पहली रिपोर्ट प्राप्त की। वहीं एक भारतीय नागरिक के निधन पर शोक व्यक्त किया, जो पिछले सप्ताह गोली का शिकार हो गया था।

गौरतलब है कि सूडान के सेना प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान और उनके डिप्टी मोहम्मद हमदान डागलो के प्रति वफादार बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सेना का नेतृत्व जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान कर रहे हैं वहीं अर्द्धसैनिक बल का नेतृत्व मोहम्मद हमदान डागालो कर रहे हैं। सेना ने अक्टूबर 2021 में तख्तापलट किया था। तबसे वह संप्रभुता परिषद के जरिए देश चला रहा है। वहीं जबकि आरएसएफ खुद को देश की सेना का हिस्सा मान रहा हैं और सूडान में फिर से नागरिक सरकार स्थापित करना चाहता है।

पाकिस्तान : इमरान खान की पार्टी ने चुनावी तैयारियां की शुरू, सोमवार से पंजाब सूबे में चुनाव प्रचार की होगी शुरुआत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) ने रविवार को घोषणा की कि वह सोमवार को आधिकारिक रूप से पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार शुरू करेगी। हालांकि, अबतक पंजाब सूबे में चुनाव के तरीखों की घोषणा नहीं की गई है।

पीटीआई के महासचिव असद उमर ने कहा, ''तहरीक-ए-इंसाफ कल से आधिकारिक रूप से अपना चुनाव प्रचार शुरू करेगी। वे (सत्तारूढ़ पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट गठबंधन) चुनाव के लिए तैयार नहीं हैं, लेकिन हम तैयार हैं।'' यह रोचक है कि पीटीआई ने अनिश्चितता के बीच देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में चुनाव प्रचार शुरू कर रही है। इस सूबे से सबसे अधिक करीब 150 सदस्य संसद के लिए निर्वाचित होते हैं। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग चुनाव कराने के लिए संघीय सरकार से कोष मिलने का इंतजार कर रहा है।

सऊदी अरब से दो अरब डॉलर की सहायता पाने को पाकिस्तान ईद के बाद कर सकता है समझौता

सैन फ्रांसिस्को(एजेंसी) नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान दो अरब डॉलर की अतिरिक्त जमा पाने के लिए सऊदी अरब के साथ ईद के बाद समझौता कर सकता है। सरकारी अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस कदम से पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज हासिल करने में मदद मिलेगी, जिसकी उसे इस समय बहुत अधिक जरूरत है। पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ समझौता करने के लिए मार्च में सऊदी अरब से धनराशि देने की पुष्टि करने का आग्रह किया था। पाकिस्तान को इसी महीने रियाद से अतिरिक्त राशि जारी करने की मंजूरी मिली थी। पाकिस्तान को सऊदी अरब से यह सहयोग बेहद महत्वपूर्ण समय में मिल रहा है।

आईएमएफ के साथ 2019 में हस्ताक्षरित कार्यक्रम 30 जून, 2023 को निष्क्रिय हो जाएगा और तय दिशानिर्देशों के अनुसार उसके बाद कार्यक्रम को आगे नहीं बढ़ाया जा सकेगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान के सामने एक शर्त रखी है कि उसे सात अरब डॉलर का राहत पैकेज पाने के लिए पहले दूसरे देशों से तीन अरब डॉलर जुटाने होंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने द न्यूज इंटरनेशनल को बताया कि स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान दो अरब डॉलर के अतिरिक्त जमा के लिए ईद के तुरंत बाद सऊदी फंड ऑफ डेवलपमेंट (एसएफडी) के साथ एक समझौता करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने कहा कि सऊदी अरब ने आईएमएफ से द्विपक्षीय सहयोग की पुष्टि कर दी है।

भारत यात्रा से पहले 'होम-वर्क' करने की जरूरत: नेपाल पीएम 'प्रचंड'

काठमांडू(एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड अगले महीने होने वाली अपनी बहुप्रचारित भारत यात्रा से पहले व्यापक तैयारियां कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें होम-वर्क करने की जरूरत है। उनकी भारत यात्रा की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कहा कि प्रचंड मई के पहले या दूसरे सप्ताह में नयी दिल्ली जा सकते हैं। पिछले साल दिसंबर में नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और व्यापार, ऊर्जा, कृषि, संस्कृति तथा हवाई सेवा से जुड़ी चर्चा भारतीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत में प्रमुखता से शामिल होगी।

प्रचंड ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, मैं भारत की अपनी आगामी यात्रा की तैयारी कर रहा हूं, जो जल्द ही हो रही है। हमें यात्रा से पहले उचित होम-वर्क करने की आवश्यकता है। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उनकी यात्रा के लिए जमीनी कार्य शुरू कर दिया है। इस साल की शुरुआत में प्रचंड ने घोषणा की थी कि

वह पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाएंगे। पिछले साल जुलाई में प्रचंड भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के निमंत्रण पर भारत गए थे। उस समय उन्होंने भाजपा अध्यक्ष के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। प्रचंड ने पिछले साल 26 दिसंबर को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने नाटकीय रूप से नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व गठबंधन से बाहर निकलकर विपक्ष के नेता के पी शर्मा ओली से हाथ मिला लिया था।

स्वत: संज्ञान के अधिकार का मूल उद्देश्य जनहित है, निजी सुख नहीं : पीएम शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि स्वत-संज्ञान के अधिकार का मौलिक उद्देश्य उसका इस्तेमाल जनहित के लिए करना है, न कि किसी खास इंसान के लिए। शरीफ का यह बयान सत्तारूढ़ गठबंधन और न्यायपालिका के बीच जारी तनातनी के बीच आया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नीत सरकार उच्चतम न्यायालय (कार्यप्रणाली औरप्रक्रिया) विधेयक 2023 को कानूनी रूप देने का प्रयास कर रही है, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश उमर अटा बांदियाल के स्वत-संज्ञान लेने की शक्ति को कम करना और मामलों की सुनवाई के लिए न्यायाधीशों के पैनल का गठन करना है।

सरकार के इस कदम को लेकर विधायिका और न्यायपालिका के बीच

ठनी हुई है। शुरुआत में इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों ने पारित कर दिया और कानूनी रूप देने के लिए इसे राष्ट्रपति आरिफ अल्वी के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा गया। लेकिन, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से ताल्लुक रखने वाले राष्ट्रपति अल्वी ने इसे लौटाते हुए कहा कि प्रस्तावित कानून ''संसद के दायरे से बहुत बाहर है।'' हालांकि, 10 अप्रैल को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में खान की पार्टी के सदस्यों के हंगामे के बीच यह विधेयक फिर से पारित हो गया।

शुक्रवार को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने इस कानून को अधिसूचित कर दिया। 'द डॉन' अखबार की खबर के अनुसार, लाहौर की कोटलखपत जेल का दौरा करने और वहां के कैदियों की स्थिति के बारे में जानकारी लेने के बाद मीडिया से बातचीत में प्रधानमंत्री शरीफ ने सवाल किया कि जेलों और उनमें बंद कैदियों से जुड़े मुद्दों पर अदालत ने कितनी बार स्वत-संज्ञान लिया है। अखबार के मुताबिक, शरीफ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को जनहित के मुद्दों पर स्वत-संज्ञान लेने और उन पर सुनवाई करने का अधिकार प्राप्त है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''क्या आपने जेल अधिकारियों से पूछा कि उनके पास कितने कैदी हैं, क्योंकि स्वत-संज्ञान नोटिस का मूल उद्देश्य जनहित है... निजी सुख नहीं। कैदियों के साथ न्याय और उनकी भलाई से जुड़े मुद्दों पर कितने स्वत-संज्ञान लिए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि लाहौर जेल में चार हजार, पंजाब जेल में 50 हजार और देश की अन्य जेलों में लाखों कैदी बंद हैं। शरीफ ने कहा, ''हजारों ऐसे कैदी हैं, जिन्हें कानूनी रूप से तत्काल रिहा किया जा सकता है। अदालतों ने इस दिशा में कितना काम किया है। देश की जनता मुझसे और संस्थाओं से यह सवाल पूछती है।

जलवायु संकट से निपटने में दुनिया की सफलता आंशिक रूप से भारत के फैसलों पर निर्भर करेगी : यूएस

न्यूर्याक (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के सिलसिले में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत और अन्य देशों के साथ मिलकर काम करने का संकल्प व्यक्त करते हुए अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने कहा है कि जलवायु संकट से निपटने में दुनिया की सफलता आंशिक रूप से भारत द्वारा लिए गए निर्णयों पर निर्भर करेगी। उन्होंने यह बात 'पीटीआई' के साथ एक साक्षात्कार में कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका प्रौद्योगिकी और वित्तीय सहायता के माध्यम से इस प्रयास का साथ देने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि वर्तमान मुद्दों में से कोई भी जलवायु संकट से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। जलवायु संकट का सामना करने में दुनिया की सफलता आंशिक रूप से भारत द्वारा लिए गए निर्णयों पर निर्भर करेगी।'' ऊर्जा संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''2030 तक भारत में 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता बनाने के प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) के संकल्प का हम बहुत सम्मान करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी टीम हर दिन इस चुनौती पर एकसाथ काम कर रही हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि न केवल अमेरिका और भारत, बल्कि भारत और बाकी दुनिया के मिलकर काम करने से हम वास्तव में इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों तक पहुंचेंगे।'' एक सवाल के जवाब में डोनाल्ड लू ने कहा कि इस ग्रह का भविष्य कुछ हद तक हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व करने की भारत की क्षमता पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, ''मुझे कुछ चीजें पसंद हैं जो आज भारत के प्रमुख उद्योगपति कह रहे हैं। वह यह है कि भारत न केवल अपने लिए पर्याप्त हरित ऊर्जा का उत्पादन करेगा, बल्कि भारत दुनिया के लिए सबसे बड़ा हरित ऊर्जा निर्यातक बनना चाहता है।'' भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत द्विपक्षीय साझेदारी है। अप्रैल 2021 में, अमेरिका और भारत ने यूएस-इंडिया क्लाइमेट एंड क्लीन एनर्जी एजेंडा 2030 पार्टनरशिप, की शुरुआत की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केदारनाथ में हेलीकॉप्टर के पंखे की चपेट में आने से अधिकारी की मौत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ में रविवार को हेलीकॉप्टर के पंखे की चपेट में आने से एक सरकारी अधिकारी की मृत्यु हो गई। रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि हादसा दोपहर के समय केदारनाथ में जीएमवीएन हेलीपैड पर तब हुआ जब हेलीकॉप्टर में बैठने के लिए आ रहे अमित सैनी टेल रोटर की चपेट में आ गए। उन्होंने बताया कि हादसे में सैनी की गर्दन में गंभीर चोटें आईं जिससे उनकी मृत्यु हो गई। सैनी (35) राज्य सरकार के उड्डयन विभाग से संबंधित एजेंसी उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (युकाडा) में वित्त नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे और केदारनाथ यात्रा शुरू होने से पहले हेलीकॉप्टर सेवाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं के निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंची टीम में शामिल थे। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि अपराह्न सवा दो बजे के आसपास यह हादसा क्रिस्टल एविएशन के हेलीकॉप्टर से हुआ और उस समय टीम केदारनाथ में निरीक्षण करने के बाद वापस लौटने वाली थी। केदारनाथ के कपाट 25 अप्रैल को खुलने हैं। केदारनाथ में हिमपात और रुक-रुककर बारिश हो रही है जिसके बीच अधिकारी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार, चौबीस घंटों में दस हजार से अधिक नये मरीज

नई दिल्ली। देश में कोरोना की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को देश में पिछले 24 घंटे के दौरान फिर से 10 हजार से अधिक कोविड केस दर्ज किए गए। इसके बाद एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 67,806 हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4.48 करोड़ (4,48,91,989) हो गयी है। संक्रमण से 29 लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,329 हो गई है। इससे पहले शनिवार को पिछले 24 घंटे में 12,193 नए मामले सामने आने की रिपोर्ट मिली। हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि गर्मी बढ़ने के साथ ही कोरोना की रफ्तार में कमी आने की उम्मीद है। कोरोना की रफ्तार दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक में तेज देखने को मिल रही है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,515 नए मामले सामने आए। वहीं, शहर में छह और मरीजों ने कोविड-19 के कारण दम तोड़ दिया। स्वास्थ्य विभाग आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में कोविड-19 से अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 20,32,424 हो गई है। वहीं, मृतकों का कुल आंकड़ा बढ़कर 26,595 हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में कोविड-19 संक्रमण दर 26.46 प्रतिशत दर्ज की गई है। हरियाणा में कोरोना के 937 नए मामले सामने आए। राज्य में 5,649 एक्टिव केस हैं। हालांकि, किसी के मरने की सूचना नहीं है। गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकुला, हिसार, करनाल, अंबाला, रोहतक, झज्जर और फतेहाबाद सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में शामिल हैं। राज्य में 9.76प्र. पॉजिटिविटी रेट दर्ज की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ओमिक्रॉन सबवैरिएंट एक्सबीबी.1.16 के मामले कई देशों में लगातार बढ़ने के मद्देनजर इसे कोविड-19 वेरिएंट ऑफ इंटरेस्ट (वीओआई) श्रेणी में अपग्रेड कर दिया है। एक्सबीबी.1.16 एक्सबीबी का ही एक प्रकार है। एक्सबीबी दो बीए.2 के मिलने से बना है। एक्सबीबी.1.16 का पहला मामला इस साल 9 जनवरी को सामने आया था। इसे 22 मार्च को वेरिएंट अंडर मॉनिटरिंग (वीयूएम) की श्रेणी में शामिल किया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया कि ओपन रिसर्च प्लेटफॉर्म जीआईएसएआईडी पर अब तक भारत सहित 33 देशों से ओमिक्रॉन एक्सबीबी.1.16 वेरिएंट के 3,648 मामलों की सूचना मिली है। डब्ल्यूएचओ में कोविड-19 रिस्पॉन्स की तकनीकी प्रमुख मारिया वान केरखोव ने कहा, कई देशों से एक्सबीबी.1.16 के प्रसार में लगातार बढ़ने की रिपोर्ट के बाद डब्ल्यूएचओ एक्सबीबी.1.16 को वीओआई के रूप में चिह्नित किया है।

डेढ़ साल की बच्ची को घर के सामने आवारा कुत्तों ने नोच-नोचकर मार डाला

श्रीकाकुलम । एक बच्ची को उसके घर के सामने ही आवारा कुत्तों ने नोंच-नोंचकर मार डाला। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में दिल दहला देने वाला एक खौफनाक मामला सामने आया है। यहां एक डेढ़ साल की बच्ची पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया और उसे नोच-नोच कर मार डाला। परिजनों ने जब देखा तो दौड़कर बच्ची को कुत्तों के चुंगल से बचाया और अस्पताल लेकर गए लेकिन वहां इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जी.सिंगाडम मंडल के मेट्टवलसा गांव में 18 महीने की बच्ची अपने घर के बरामदे में खेल रही थी तभी एक साथ दर्जन आवारा कुत्ते उस पर टूट पड़े। बच्ची के रोने आवाज सुनकर उसके परिजन मौके पर पहुंचे और कुत्तों से बचाया लेकिन तब तक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो चुकी थी। परिजन बच्ची को गंभीर हालत में राजाम सरकारी अस्पताल ले गए। वहां से बच्ची को प्राथमिक उपचार के बाद श्रीकाकुलम स्थित सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। श्रीकाकुलम में इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। इस मामले पर पुलिस ने कहा कि यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7-45 बजे की है, यहां 18 महीने की बच्ची पर उस वक्त आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जब वह घर के सामने खेल रही थी। मां ने जब बच्ची को देखा कि उस पर कुत्तों ने हमला कर दिया है तो वह दौड़ी। उसने बच्ची को कुत्तों से बचाया और अस्पताल लेकर गई लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

संजय राउत का दावा, शिंदे सरकार महज 15 दिनों की मेहमान

जलगांव। महाराष्ट्र में शिवसेना सरकार महज पंद्रह दिनों की है, यह दावा प्रवक्ता संजय राउत ने किया है। गौरतलब है कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे आज महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पचोरा में पार्टी की एक रैली में भाषण देने वाले हैं और उससे पहले ही पार्टी ने दावा किया है कि राज्य में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार 15 दिनों में गिर जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने जलगांव में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि 'शिंदे सरकार का डेथ वारंट, सरकार 15 दिनों में गिर जाएगी।' राउत ने कहा कि 'मैंने पहले ही भविष्यवाणी की थी कि शिंदे सरकार 15 दिनों में गिर जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई स्थगित हो गई। अब जब अदालत का फैसला आ जाएगा, तो शिंदे सरकार गिर जाएगी।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय राउत ने इससे पहले शनिवार को दावा किया था कि भाजपा ने मुख्यमंत्री से अपना बोरिया बिस्तर बांध लेने को कहा है। वह एनसीपी नेता अजीत पवार की इस टिप्पणी पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे कि वह मुख्यमंत्री पद के लिए दावा करने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि पिंपरी चिंचवाड़ में सकाल समूह से एक इंटरव्यू के दौरान अजीत पवार ने कहा था कि 'न केवल 2024 में, बल्कि अब भी मैं मुख्यमंत्री पद के लिए दावा करने के लिए तैयार हूं। इस बीच जब उद्धव ठाकरे आज जलगांव के पचोरा में पार्टी की एक रैली को संबोधित करने के लिए तैयार हैं, तो जलगांव में शिवसेना के दोनों गुटों के बीच जुबानी जंग देखने को मिल रही है। शिवसेना के शिंदे से ताल्लुक रखने वाले महाराष्ट्र के जल आपूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि उनका खेमा पथराव कर उद्धव ठाकरे की रैली को विफल कर सकता है।

मानव दवा का उपयोग कर गायों को बनाया गर्भवती

जबलपुर । वेटरनरी विश्वविद्यालय जबलपुर डॉक्टरों ने जानवरों में गर्भधारण की समस्या को दूर करने के लिए शोध शुरू किया। विशेषज्ञों ने इंसानों की दवा का उपयोग जानवरों में करने की नवीन तकनीकी विकसित की। यह प्रयोग सफल रहा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने गायों के बांझपन की समस्या को दूर करते हुए,5 गायों को गर्भवती बनाने में सफलता हासिल की है। वेटरनरी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कहा, गाय का पेट कई हिस्सों में होता है। उसके पेट में दवा पहुंचाना आसान काम नहीं था। वैज्ञानिकों ने गाय के रूमन और रेटिकुलम पेट को बाईपास कर आबेशम और ओमेजम पेट के हिस्से तक दवा पहुंचाई गई। यह तरकीब काम कर गई। वैज्ञानिकों के अनुसार वर्षों पूर्व नीला थोथा का प्रयोग बाँझपन दूर करने के लिए होता था। इस आधार पर ह्यूमन दवा का उपयोग पशुओं में करने का फैसला लिया गया। गाय के वजन के अनुसार मात्रा तय की गई।

मिट्टी में मिला देंगे वाले बयान पर नीतीश ने सम्राट चौधरी को बताया बुद्धिहीन

नीतीश कुमार का बीजेपी नेता पर फूटा गुस्सा, कहा- उनमें बुद्धि नहीं है

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी द्वारा अगले लोकसभा व विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी को 'मिट्टी में मिला देने' की टिप्पणी किए जाने के एक दिन बाद कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा के नेता ''बुद्धिहीन'' हो गए हैं। पत्रकारों ने रविवार को जनता दल (यूनाइटेड) के नेता कुमार से सम्राट चौधरी की टिप्पणी को लेकर सवाल किया जिसमें उन्होंने कहा था कि ''कुमार को उनके विश्वासघात के लिए मिट्टी में मिला देंगे।'' कुमार ने कहा, ''वे (भाजपा नेता) बुद्धिहीन लोग हैं।

उन्हें (सम्राट चौधरी) बता दीजिए कि जो उन्होंने कहा है वे करें। मैंने अपने पूरे राजनीतिक करियर में कभी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है। कोई भी संवेदनशील नेता ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करेगा। मैंने अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी काम किया है और उनके प्रति अगाध सम्मान है।'' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री पद की अपनी महत्वकांक्षा को ''पूरा'' करने के लिए भाजपा की पीठ में ''छुरा घोंपकर'' लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से हाथ मिला लिया।

उन्होंने कहा था, ''भाजपा की मदद से नीतीश कुमार पांच बार मुख्यमंत्री बने। अब जद-यू धूल फांकेगा ...भाजपा नीतीश कुमार को 2024 के लोकसभा चुनाव और वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में मिट्टी में मिला देगी।''

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों का गठबंधन बनाने की अपनी कोशिशों के बारे में कुमार ने कहा, ''हम भाजपा के खिलाफ देश के अधिक से अधिक दलों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी प्रयास करेंगे और एकजुट होकर काम करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हाल में मैंने नयी दिल्ली में कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की। मेरा मकसद आम चुनाव से पहले भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करना है।''

जब उनसे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की योजना के बारे में पूछा गया तो कुमार ने कहा, ''जब भी मैं उनसे मिलूंगा, आपको सूचित कर दूंगा।'' गौरतलब है कि कुमार ने अपने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ हालिया दिल्ली दौरे के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई नेताओं से मुलाकात की थी। कुमार पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि उनकी प्रधानमंत्री पद की महत्वकांक्षा नहीं है।

अतीक-अशरफ को अस्पताल में ही मारने का था प्लान, मास्टरमाइंड सनी ने उगला राज

प्रयागराज। अतीक-अशरफ हत्याकांड के मास्टरमाइंड सनी ने पुलिस को बताया है कि उन्हें अस्पताल में ही मारने का प्लान था। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में सिर्फ तीन शूटर ही शामिल हैं। पुलिस द्वारा अब तक की गई जांच में किसी चौथे शख्स का नाम सामने नहीं आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी सनी को दिल्ली में गोगी गैंग के लोगों ने जिगाना पिस्टल दी थी। सनी को दिल्ली एनसीआर में कोर्ट में किसी गैंगस्टर को मारने का टास्क दिया गया था, जो पूरा नहीं हुआ था। इसके बाद से पिस्टल सनी के पास ही थी। दोनों शूटर्स की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद प्रतापगढ़ लाया गया है। बताया जा रहा है कि अतीक-अशरफ हत्याकांड का मास्टरमाइंड सनी ही है। उसी ने लवलेश तिवारी और एक अन्य आरोपी को तैयार किया था। प्रयागराज में 15 अप्रैल को होटल से शाम 7:30 बजे सबसे पहले शूटर लवलेश तिवारी निकला था, उसके बाद अन्य दोनों शूटर निकले थे। तीनों शूटर खबरों के जरिए अतीक और अशरफ की पल-पल की खबर ले रहे थे। इन्होंने अतीक और अशरफ को अस्पताल में ही मारने का प्लान तय किया था। आरोपियों ने पुलिस को बताया है कि 15 अप्रैल को अगर वारदात को अंजाम नहीं दे पाते तो 16 या 17 को निशाना बनाते। पुलिस के अनुसार शूटर ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचे थे और इसके बाद मौका मिलते ही वारदात को अंजाम दिया था। 13 अप्रैल को अतीक-अशरफ की सीजेएम कोर्ट में पेशी के दौरान भी तीनों शूटर कोर्ट तक आए थे, लेकिन भीड़ और पुलिस की सख्त सुरक्षा होने की वजह से हमले का प्लान टाल दिया था। इस दौरान उन्होंने रेकी की और दोबारा हमला किया। बताया जा रहा है कि वारदात से दो दिन पहले यानी 13 अप्रैल की शाम 8:30 बजे शूटर्स ने होटल में चेक इन किया था। होटल में तीनों रूम नंबर- 203 में ठहरे। यहीं से तीनों रेकी करने के लिए निकलते थे।

बसवेश्वर ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए जागरूकता पैदा की थी: गांधी

बागलकोट (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि 12वीं सदी के कवि एवं समाज सुधारक बसवेश्वर और उनके जैसे लोगों ने भारत में लोकतंत्र, संसदीय लोकतंत्र और अधिकारों की नींव रखी थी और समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए प्रयास किये थे। गांधी ने रविवार को बसवेश्वर की जयंती के अवसर पर कुदाल संगम में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली से हुबली पहुंचने पर गांधी ने संगमनाथ मंदिर और एक्य लिंग के दर्शन के लिए हेलीकॉप्टर से कुदाल संगम की यात्रा की। कुदाल संगम कर्नाटक के प्रभावशाली समुदायों में से एक लिंगायत संप्रदाय का महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। बसवेश्वर को 'बसवन्ना' के रूप में भी जाना है। एक्य मंतपा या लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक बसवेश्वर की पवित्र समाधि यहां स्थित है।

कुदाल संगम अपने चालुक्य-शैली के संगमेश्वर मंदिर के लिए भी प्रसिद्ध है, जहां यह माना जाता है कि बसवन्ना ने भगवान शिव की पूजा की थी। कांग्रेस के महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की चुनाव अभियान समिति के प्रमुख एम. बी. पाटिल और अन्य नेताओं के साथ, गांधी ने बाद में बसवा मंतपा में उत्सव समिति द्वारा आयोजित बसवा जयंती समारोह में भाग लिया और कुदाल संगम दसोहा भवन में प्रसाद (दोपहर का भोजन) लिया। इस मौके पर कई लिंगायत मठों के संत मौजूद थे। गांधी ने समारोह में कहा कि बसवन्ना और उनके जैसे लोगों ने भारत में लोकतंत्र, संसदीय लोकतंत्र और अधिकारों की नींव रखी थी।

उन्होंने कहा कि बसवन्ना ने अपने समय में समाज में व्याप्त अंधकार को दूर के प्रयास किये थे और रोशनी फैलाई थी। उन्होंने कहा, ''बसवन्ना ने जीवन भर सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा और बिना किसी भय के सच बोला। समाज के सामने सच बोलना आसान नहीं है। धमकियों के बावजूद बसवन्ना सत्य के मार्ग से विचलित नहीं हुए और समाज में व्याप्त कुरीतियों पर सवाल उठाया। इसलिए उनका आज तक सम्मान किया जाता है।'' बसवा जयंती कर्नाटक में एक सरकारी अवकाश है और पूरे राज्य में लिंगायत समुदाय द्वारा इसे पूरी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

दुनिया के चौंतीस देशों में समलैंगिक विवाह को मिली हुई है मान्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के 34 देशों ने समलैंगिक विवाहों को वैध कर दिया है। वैवाहिक समानता को मान्यता देने वाला पहला देश नीदरलैंड था। डच संसद ने सन् 2000 में ऐतिहासिक विधेयक को तीन-बनाम-एक के अंतर से पारित किया था और 1 अप्रैल 2001 से यह कानून प्रभावी हो गया। इस कानून ने समलैंगिक जोड़ों को शादी करने, तलाक लेने और बच्चे गोद लेने का अधिकार दिया। डच कानून के अनुसार, विवाह अलग या समान लिंग के दो लोगों द्वारा अनुबंधित किया जा सकता है। मुस्लिम और रूढ़िवादी ईसाई समूहों द्वारा कानून का विरोध करने के बावजूद समलैंगिक विवाह को नीदरलैंड में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। इधर भारत की बात करें तो उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि एक व्यक्ति की यौन प्रकृति जन्मजात है न कि शहरी या अभिजात्य। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी केंद्र सरकार के उस तर्क को खारिज करती है जिसमें उसने कहा था कि समलैंगिक विवाह सामाजिक स्वीकृति के उद्देश्य के लिए केवल शहरी अभिजात्य दृष्टिकोण है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ ने कहा, एक बार जब कुछ जन्मजात होता है, तो इसमें किसी वर्ग का पूर्वाग्रह नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए इशारा किया कि समलैंगिक विवाह को अभिजात्य अवधारणा बताने के लिए पर्याप्त डाटा उपलब्ध नहीं है। शीर्ष अदालत ने बाद में यह भी कहा कि समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से बाहर करके हम पहले ही मध्यवर्ती चरण में पहुंच गए हैं और अब यह सोचा जा सकता है कि समलैंगिक लोग भी विवाह जैसे स्थिर संबंध में रह सकते हैं। शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें हिंदू विवाह अधिनियम, विदेशी विवाह अधिनियम, विशेष विवाह अधिनियम और अन्य विवाह कानूनों के कुछ प्रावधानों को इस आधार पर असंवैधानिक बताते हुए चुनौती दी गई है कि वे समलैंगिक जोड़ों को शादी करने के अधिकार से वंचित करते हैं।

सरकारी कर्मचारी ओवरटाइम वर्क के लिए पैसे के हकदार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी कर्मचारी ओवरटाइम का पैसा लेने के हकदार नहीं हैं। यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। सरकारी कर्मचारियों के ओवरटाइम काम करने की एवज में पैसे के भुगतान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत का कहना है कि सरकारी कर्मचारी ओवरटाइम काम करने की एवज में पैसे के भुगतान का हकदार नहीं है। मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों की समय-समय पर वेतन आयोग की सिफारिशों के जरिये सैलरी खुद ही बढ़ जाती है। जबकि ठेके पर काम करने वाले कर्मियों के साथ ऐसा नहीं होता है। इसके अलावा सरकारी कर्मियों को कुछ अन्य विशेषाधिकार भी मिलते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ओवरटाइम भत्ते के मुद्दे पर सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और उसके कर्मचारियों के बीच विवाद पर फैसला दिया।

शीर्ष अदालत ने साफ किया कि सरकारी कर्मचारी काम करने के बाद ओवरटाइम काम के लिए मुआवजे का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि ऐसे प्रावधान नियमों का हिस्सा नहीं हैं जो सर्विस को रेगुलेट करते हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम और पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि कारखानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत लोगों के विपरीत, सार्वजनिक सेवा में काम करने वाला व्यक्ति जो सिविल पदों या संघ या राज्यों की सिविल सेवाओं काम करता हैं, उनकों नियमों के अनुसार हर समय खुद को सरकार के नियंत्रण में रखना जरूरी है। वे ओवरटाइम भत्ता नहीं मांग सकते। बेंच ने सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल और बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि निगम के साथ काम करने वाले कर्मचारी भी ओवरटाइम भत्ते के हकदार हैं। सरकार के नियम का हवाला देते हुए, पीठ ने कहा कि वास्तव में प्रतिवादियों (कर्मचारियों) के लिए दोहरे ओवरटाइम भत्ते के भुगतान की मांग करने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

कांग्रेस में महिलाओं के लिए सेफ माहौल बनाने की जरूरत : सुरजेवाला

-पुलिस की कार्रवाई पर जताया ऐतराज, सीएम हिमंता बिस्व सरमा को लिया निशाने पर

नई दिलली (एजेंसी)। यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। असम पुलिस ने उन्हें 2 मई को सुबह 11 बजे दिसपुर थाने में पेश होने का नोटिस भेजा है। श्रीनिवास पर असम यूथ कांग्रेस की पूर्व अध?यक्ष अंकिता दत्ता ने शोषण का आरोप लगाया है। अंकिता की शिकायत पर असम पुलिस ने आईपीसी की धारा 354 के तहत केस दर्ज किया है। असम पुलिस के इस एक?शन पर कांग्रेस बिफर गई है। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सीधे सीएम हिमंता बिस्व सरमा को निशाने पर लिया। सुरजेवाला ने कहा कि वह (असम सीएम) कभी पवन खेड़ा, कभी श्रीनिवास बीवी और कभी किसी और को गिरफ्तार करना चाहते हैं। सुरजेवाला ने कहा कि असम सीएम की बातों पर इतना ध्यान मत दीजिए। सुरजेवाला की प्रतिक्रिया पर सरमा ने असम पुलिस का श्रीनिवास को भेजा नोटिस ट्वीट कर दिया। असम सीएम ने लिखा कि उनकी पुलिस कानून के हिसाब से काम कर रही है। तंज कसते हुए सरमा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में महिला कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षित माहौल की कमी के लिए उन्हें दोष देना गलत है। कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने असम पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी आगे निकल गए हैं। अब वह सुर्खियों में बने रहने के लिए यह सब कर रहे हैं।

इधर असम सीएम ने जवाबी ट्वीट में लिखा, असम पुलिस कानून के मुताबिक काम कर रही है। वे वर्तमान में एक महिला कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा आईपीसी की धारा 354 के तहत आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कर रहे हैं। महिला कार्यकर्ताओं के लिए कांग्रेस पार्टी के भीतर सुरक्षित वातावरण की कमी के लिए मुझे दोष देना अनुचित है। कृपया आरोपी को कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने की सलाह दें। गौरतलब है कि असम यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष अंकिता दत्ता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए शनिवार को कांग्रेस ने छह साल के लिए बाहर निकाल दिया। दत्ता ने यूथ कांग्रेस के मुखिया बी. वी. श्रीनिवास पर उनका मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

भारत कहता है रूस व अमेरिका हमारे दोस्त, दोनों के बीच जो मर रहा है वह भी मेरा दोस्त: मोहन भागवत

-आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने अमेरिका, चीन व रूस को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया के ताकतवर देशों पर डंडा चलाने की बात कही है। एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि बड़े होकर (ताकतवर बनकर) बड़े देश क्या करते हैं, डंडा चलाते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि पहले रूस चलाता था, उसको अमेरिका ने गिरा दिया। उसने अपना डंडा शुरू किया। उन्होंने कहा कि अब चीन आया है। ऐसा लगता है कि वह अमेरिका को पछाड़ देगा। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि यूक्रेन को मोहरा बनाकर अमेरिका और रूस लड़ रहे हैं।

आरएसएस चीफ ने कहा कि ये देश भारत को कह रहे हैं कि हमारी तरफ आओ। हमारा पक्ष लो। वहीं, भारत रूस को कहता है कि आप हमारे दोस्त हो। अमेरिका को भी कहता ही आप भी हमारे दोस्त हो। ये जो आप दोनों के बीच मर रहा है वह भी मेरा दोस्त है। उन्होंने कहा कि भारत का कहना है कि अभी मैं उसको (यूक्रेन) राहत पहुंचाता हूं, आप दोनों में से किसी का पक्ष नहीं लेता। ये लड़ाई का जमाना नहीं है, लड़ना बंद करो। संघ प्रमुख ने कहा कि यह कहने वाला भारत खड़ा हुआ है कि पहले अपनी हिम्मत नहीं थी।

उन्होंने कहा कि भारत धर्म के लिए बढ़ रहा है। भागवत ने कहा कि श्रीलंका पहले चीन से और पाकिस्तान से दोस्ती करता था और हमको (भारत) जरा दूर ही रखता था। हालांकि, जब श्रीलंका खतरे में पड़ा तो उसकी मदद के लिए कौन आगे आया? संघ प्रमुख ने कहा कि उसकी मदद के लिए दुनिया का एक ही देश आया। उस देश का नाम भारत है।

उन्होंने कहा कि धर्म को मानने वाला देश दुनिया में कभी भी किसी का लाभ नहीं उठाएगा। उन्होंने कहा कि परस्पर जीने के लिए हम एक दूसरे का लाभ उठाते हैं, लेकिन वो प्रेम का लेन-देन होता है। उसमें सौदा नहीं होता है। उन्होंने कहा कि भारत लाभ ले रहा है। भारत लाभ क्यों नहीं लेगा? उन्होंने कहा कि जब हमारे लाभ की किसी और को आवश्यकता है। हमारे कमाए हुए से कोई और भूखा जीवित रह रहा है तो भारत देने वाला देश है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई